सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com
परिवहन विशेष
वर्ष 02, अंक 95, नई दिल्ली । शनिवार, 15 जून 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जब तक आप चीजों को अलग तरीके से नहीं देखते तब तक आप उसे अलग तरीके से नहीं कर सकते।

03 दिल्ली: पशुओं में दूध बढाने का अवैध गोरखधंधा ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन स्कैम के सप्लायर्स पकडे
06 कब होगा नगद ईनाम बांट समारोह
08 नबीन पटनायक की शासन की स्थिति देखकर नई सरकार हैरान है

क्या आप जानते हैं क्यों ले रहे हैं वीआरएस परिवहन विभाग दिल्ली के अधिकारी

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग जहां पहले ही तकनीकी अधिकारियों की काफी कमी है और उसको पूरा कराने के लिए पूर्व परिवहन आयुक्त ने तकनीकी पदो पर कार्य करने के लिए सर्विस शाखा दिल्ली सरकार से गैर तकनीकी अधिकारी लेकर उन्हें सुप्रीम कोर्ट के दोष निर्देश को दरकिनार कर तकनीकी पदो पर कार्यरत कर दिया था। उसी समय से लगातार कार्यरत तकनीकी अधिकारी वीआरएस लेकर घर बैठते जा रहें हैं। एक तरफ़ तकनीकी अधिकारियों की कमी और उसके ऊपर सोने पर सुहागा आला अधिकारी वीआरएस मागने वाले की रिक्वेस्ट के रिजेक्ट करने की जगह 90 दिन सोचने में बिता कर उन्हे बाहर का रास्ता दे रहे हैं, आखिर ऐसा क्यों, बड़ा सवाल? परिवहन विशेष ने अपने अंदाज से इस बात को जानने की कोशिश की और सामने आए दो प्रमुख कारण।

1. दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा झूलझूली में बनवाई और चलाई जाने वाली वाहन जांच शाखा में बाहरी तत्वों का दबाव जिसके रहते अधिकारी वहा जाना नही चाहते ओर जबरदस्ती वह पोस्टिंग होने पर डर और दबाव में आकर वीआरएस लेकर घर का रास्ता लेना पसन्द करते हैं क्योंकि **जान है तो जहान है**

2. दिल्ली परिवहन विभाग में आज कार्यरत आला अधिकारी का अपनें निम्न स्तर के अधिकारियों के प्रति व्यवहार इतना सहज है की उनके पास वीआरएस लेने के अलावा और कोई रास्ता ही नहीं

आपकी जानकारी हेतु बता दें की झूलझूली शाखा में कार्यरत वही के आसपास के गांव में रहने वाले कर्मचारी पेट भी वहा के बाहरी तत्व जानलेवा हमला कर अपना वर्चस्व दिखा चुके हैं जिस कारण अधिकारी के पास सिर्फ एक ही विकल्व बचता है या तो उनकी इच्छा अनुसार कार्य करता रहे चुपचाप चाहे वह नियम में है या नहीं या ट्रांसफर करवाए या वीआरएस लेकर घर बैठ जाए। दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी सब कुछ जानते हैं पर फिर भी तकनीकी अधिकारियों का साथ देने की जगह उनको वीआरएस देकर खुश हैं अर्थ दिल्ली परिवहन में कार्यरत आला अधिकारी ही चाहते हैं की तकनीकी पदो पर तकनीकी अधिकारियों की कमी दिखाकर तकनीकी कार्य अपने किसी सहयोगी गैर तकनीकी को सौप कर करवाए, **पर क्या वह स्वयं बीमार होने पर उसी बीमारी के डॉक्टर से इलाज करवाने की जगह किसी टीचर से अपना इलाज करवाना पसन्द करेंगे** बड़ा सवाल ? क्योंकि जो कार्य वह तकनीकी पदो पर गैर तकनीकी अधिकारी को पदस्थ करके कर रहे हैं उसका सीधा अर्थ है सम्पूर्ण जनता का जीवन जोखिम में डालना।

जनहित के प्रति कार्यरत पद पर आसीन होकर जनता के जीवन पर ही आघात करते देखकर भी दिल्ली के मुख्य उपराज्यपाल एवम्‌ मुख्य सचिव द्वारा कोई कार्यवाही ना करना भी एक महत्वपूर्ण चिंतन मंथन का विषय है।

दिल्ली को पानी चाहिये नौटंकी नहीं...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी की भारी कमी को लेकर मैंने भाजपा दिल्ली प्रदेश के तत्कालीन अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी जी , तत्कालीन सांसद भाई प्रवेश वर्मा जी और दिल्ली के सभी भाजपा निगम पार्षदों के साथ* आज से 8 साल पहले 13 जून 2018 को भ्रष्ट केजरीवाल सरकार के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किया था और सरकार से पानी की समस्या हल करने के लिये कहा था मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है पिछले दस साल राज कर रही दिल्ली सरकार पानी की समस्या को हल करने के प्रति गंभीर नहीं है और अपनी विफलता छुपाने के लिये सिर्फ़ दुसरों के ऊपर आरोप लगाना इनकी आदत बन चुकी है -

राजेश भाटिया ।

यह सक्रीन शाट मेरी फ़ेसबुक पोस्ट का है जो मैंने 13 जून 2018 को पोस्ट की थी। भीषण गर्मी और तेज लू के बीच

Nomination Open Applying now

RNI No. RNI No :- DELHIN/2023/86499
परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
प्रस्तुत

पुरस्कार सम्मान समारोह

सम्मान निशुल्क हैं, इसके लिए कोई शुल्क नहीं है

सम्मान आपकी योग्यता के अनुसार कमेटी द्वारा किए/ लिए गए निर्णय पर आधारित है।

आप भी सम्मान प्राप्त करने के हकदार हैं अगर 1. आपने जन कल्याण के प्रति, 2. समाज कल्याण के प्रति, 3. सड़क सुरक्षा के प्रति, 4. जाम एवम् दुर्घटना मुक्त सड़को के प्रति, 5. प्रदुषण से बचाव के प्रति एवम् 6. अन्य किसी भी क्षेत्र (शिक्षा , चिकित्सा, न्यायिक इत्यादि) में सरकारी विभाग/विभागों के पद पर कार्यरत रहते, संगठन में या अकेले विशिष्ट कार्यों में सहभागी बने हैं या बने हुए हैं तो आप सम्मान प्राप्त करने के हकदार हैं। प्रतिभाशाली और जन कल्याण के कार्यों में जुड़े आप सभी गणमान्य हस्तियों को सम्मान प्रदान करने के लिए यह सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

दिनाक : 06 जुलाई 2024 समय : 4 p.m.

स्थान : कांस्टीट्यूशन क्लब आफ इंडिया, रफी मार्ग नई दिल्ली 110001

मुख्य अतिथि : जस्टिस श्री सतीश चंद्रा (रिटायर्ड)

प्राप्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए निम्नलिखित श्रेणियां:-

1. सड़क सुरक्षा 2. विशेष योगदान (पर्यावरण संरक्षण/पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर) 3. वाहन निर्माता/ डीलर 4. परामर्श विशेषज्ञ (परिवहन) 5. विशेष योगदान (परिवहन सुरक्षा/व्यवस्था) 6. विशेष योगदान (वाहन चालक/मालिक) 7. विशेष योगदान (कानून/न्याय/न्यायालय/अधिवक्ता) 8. विशेष योगदान (चिकित्सा) 9. योगदान सम्मान पुरस्कार (सेवानिवृत्त अधिकारी) 10. मीडिया/रिपोर्टर

सम्मान पुरस्कार प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। नॉमिनेशन आवदेन खुल चुका है और 25 जून तक खुला रहेगा आप 25 जून तक अपना ऑनलाइन नॉमिनेशन फार्म भरकर जमा कर दे। नॉमिनेशन फार्म नीचे दिए गए लिंक को क्लिक कर सकते है।
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSd5S63UXtvzhloiFiCd_SybN3-acTb6hze5f6vXHqpoO3c2-A/viewform?usp=sf_link

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063 सम्पर्क : 9212122095, 9811902095
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
news@newsparivahan.com, bathlasanjaybathla@gmail.com

रानी दुर्गावती

अकबर को तीन बार युद्ध में हराने वाली वीरांगना

रानी दुर्गावती हमारे देश की वो वीरांगना है, जिन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए मुगलों से युद्ध कर वीरगति को प्राप्त हो गई. वे बहुत ही बहादुर और साहसी महिला थीं, जिन्होंने अपने पति की मृत्यु के बाद न केवल उनका राज्य संभाला बल्कि राज्य की रक्षा के लिए कई लड़ाईयां भी लड़ी. हमारे देश के इतिहास की बात की जाये तो बहादुरी और वीरता में कई राजाओं के नाम सामने आते है, लेकिन इतिहास में एक शक्सियत ऐसी भी है जोकि अपने पराक्रम के लिए जानी जाती है वे हैं रानी दुर्गावती. रानी दुर्गावती अपने पति की मृत्यु के बाद गोंडवाना राज्य की उत्तराधिकारी बनीं, और उन्होंने लगभग 15 साल तक गोंडवाना में शासन किया.

जीवन परिचय बिंदु	जीवन परिचय
नाम	रानी दुर्गावती
जन्म	5 अक्टूबर सन 1524
जन्म स्थान	कालिंजर किला (बाँदा, उत्तर प्रदेश)
पिता	कीरत राय
पति	दलपत शाह
संतान	वीर नारायण
धर्म	हिन्दू
प्रसिद्धी	गोंडवाना राज्य की शासक, वीरांगना
मृत्यु	24 जून 1564
कर्म भूमि	भारत
विशेष योगदान	इन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं और धर्मशालाएं बनवाई
मृत्यु स्थान	महाराष्ट्र

रानी दुर्गावती का नाम इतिहास में क्यों अमर हो गया ?

गढ़मंडला की वीर तेजस्वी रानी दुर्गावती का नाम इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया है क्योंकि पति की मृत्यु के पश्चात भी रानी दुर्गावती ने अपने राज्य को बहुत ही अच्छे से संभाला था। इतना ही नहीं रानी दुर्गावती ने मुगल शासक अकबर के आगे कभी भी घुटने नहीं टेके थे। इस वीर महिला योद्धा ने तीन बार मुगल सेना को हराया था और अपने अंतिम समय में मुगलों के सामने घुटने टेकने के जगह इन्होंने अपनी कटार से अपनी हत्या कर ली थी। उनके इस वीर बलिदान के कारण ही लोग उनका इतना सम्मान करते हैं।

रानी दुर्गावती का जन्म और शुरूआती जीवन

रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर सन 1524 को प्रसिद्ध राजपूत चंदेल सम्राट कीरत राय के परिवार में हुआ. इनका जन्म चंदेल राजवंश के कालिंजर किले में जोकि वर्तमान में बाँदा, उत्तर प्रदेश में स्थित है, में हुआ. इनके पिता चंदेल वंश के सबसे बड़े शासक थे, ये मुख्य रूप से कुछ बातों के लिए बहुत प्रसिद्ध थे. ये उन भारतीय शासकों में से एक थे, जिन्होंने महमूद गजनी को युद्ध में खदेड़ा. वे खजुराहों के विश्व प्रसिद्ध मंदिरों जोकि मध्य प्रदेश के छत्तरपुर जिले में स्थित है, के बिल्डर थे. वर्तमान में यह यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है. रानी दुर्गावती का जन्म दुर्गाष्टमी के दिन हुआ, इसलिए इनका नाम दुर्गावती रखा गया. इनके नाम की तरह ही इनका तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता चारों ओर प्रसिद्ध थी. खुजराहो के दार्शनिक स्थल के बारे में यहाँ पढ़ें.

रानी दुर्गावती को बचपन से ही तीरंदाजी, तलवारबाजी का बहुत शौक था. इनकी रूचि विशेष रूप से शेर व चीते का शिकार करने में थी. इन्हें बन्दूक का भी अच्छा खासा अभ्यास था. इन्हें वीरतापूर्ण और साहस से भरी कहानी सुनने और पढ़ने का भी बहुत शौक था. रानी ने बचपन में घुड़सवारी भी सीखी थी. रानी अपने पिता के साथ ज्यादा वक्त गुजारती थी, उनके साथ वे शिकार में भी जाती और साथ ही उन्होंने अपने पिता से राज्य के कार्य भी सीख लिए थे, और बाद में वे अपने पिता का उनके काम में हाथ भी बटाती थी. उनके पिता को भी अपनी पुत्री पर गर्व था क्यूकि रानी सर्व गुण सम्पन्न थीं. इस तरह उनका शुरूआती जीवन बहुत ही अच्छा बीता.

रानी दुर्गावती का विवाह और उसके बाद का जीवन

रानी दुर्गावती के विवाह योग्य होने के बाद उनके पिता ने उनके विवाह के लिए राजपूत राजाओं के राजकुमारों में से अपनी पुत्री के लिए योग्य राजकुमार की तलाश शुरू कर दी. दूसरी ओर दुर्गावती दलपत शाह की वीरता और साहस से बहुत प्रभावित थी और उन्हीं से शादी करना चाहती थीं. किन्तु उनके राजपूत ना होकर गोंढ जाति के होने के कारण रानी के पिता को यह स्वीकार न था. दलपत शाह के पिता संग्राम शाह थे जोकि गढ़ा मंडला के शासक थे. वर्तमान में यह जबलपुर, दमोह, नरसिंहपुर, मंडला और होशंगाबाद जिलों के रूप में सम्मिलित है. संग्राम शाह रानी दुर्गावती की प्रसिद्धी से प्रभावित होकर उन्हें अपनी बहु बनाना चाहते थे. इसके लिए उन्होंने कालिंजर में युद्ध कर रानी दुर्गावती के पिता को हरा दिया. इसके परिणामस्वरूप सन 1542 में राजा कीरत राय ने अपनी पुत्री रानी दुर्गावती का विवाह दलपत शाह से करा दिया.

रानी दुर्गावती और दलपत शाह की शादी के बाद गोंढ ने बुंदेलखंड के चंदेल राज्य के साथ गठबंधन कर लिया, तब शेर शाह सूरी के लिए यह करारा जवाब था, जब उसने सन 1545 को कालिंजर पर हमला किया था. शेरशाह बहुत ताकतवर था, मध्य भारत के राज्यों के गठबंधन होने के बावजूद भी वह अपने प्रयासों में बहुत सफल रहा, किन्तु एक आकस्मिक बारूद विस्फोट में उसकी मृत्यु हो गई. उसी साल रानी दुर्गावती ने अपने पुत्र को जन्म दिया जिसका नाम वीर नारायण रखा गया. इसके बाद सन 1550 में राजा दलपत शाह की मृत्यु हो गई. तब वीर नारायण सिर्फ 5 साल के थे. रानी दुर्गावती ने अपने पति की मृत्यु के बाद अपने पुत्र वीर नारायण को राजगद्दी पर बैठा कर खुद राज्य की शासक बन गई.

रानी दुर्गावती का शासनकाल

रानी दुर्गावती के गोंडवाना राज्य का शासक बनने के बाद उन्होंने अपनी राजधानी सिंगौरगढ़ किला जोकि वर्तमान में दमोह जिले के पास स्थित सिंग्रामपुर में है, को चौरागढ़ किला जोकि वर्तमान में नरसिंहपुर जिले के पास स्थित गाडरवारा में है, में स्थानांतरित (shift) कर दिया. उन्होंने अपने राज्य को पहाड़ियों, जंगलों और नालों के बीच स्थित कर इसे एक सुरक्षित जगह बना ली. वे सीखने की एक उदार संरक्षक थीं और एक बड़ी एवं अच्छी तरह से सुसज्जित सेना को बनाने में कामियाब रहीं. उनके शासन में राज्य की मानों शक्ल ही बदल गई उन्होंने अपने राज्य में कई मंदिरों, भवनों और धर्मशालाओं का निर्माण किया. उस समय उनका राज्य बहुत सी सम्रद्ध और सम्पन्न हो गया था.

शेरशाह सूरी की मृत्यु के बाद सन 1556 में सुजात खान ने मालवा को अपने आधीन कर लिया क्यूकि शेरशाह सूरी का बेटा बाज़ बहादुर कला का एक महान संरक्षक था और उसने अपने राज्य पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया. उसके बाद सुजात खान ने रानी दुर्गावती के राज्य पर हमला किया यह सोच कर कि वह एक महिला है, उसका राज्य आसानी से छीना जा सकता है. किन्तु उसका उल्टा हुआ रानी दुर्गावती युद्ध जीत गई और युद्ध जितने के बाद उन्हें देशवासियों द्वारा सम्मानित किया गया और उनकी लोकप्रियता में वृद्धी होती गई. रानी दुर्गावती का राज्य बहुत ही संपन्न था. यहाँ तक कि उनके राज्य की प्रजा लगान की पूर्ती स्वर्ण मुद्राओं द्वारा करने लगी. इस तरह उनका शासनकाल बहुत ही अच्छी तरह से चल रहा था.

रानी दुर्गावती और अकबर

अकबर के एक सूबेदार ख्वाजा अब्दुल मजीद खां जो असफ़ खान के नाम से जाना जाता था, उसकी नजर रानी दुर्गावती के राज्य में थी. उस समय रानी दुर्गावती का राज्य रीवा और मालवा की सीमा को छूने लगा था. रीवा, असफ़ खान के आधीन था और मालवा, अकबर को पालने वाली माँ महम अंगा के पुत्र अधम खान के आधीन था. असफ़ खान ने रानी दुर्गावती के खिलाफ अकबर को बहुत उकसाया और अकबर भी उसकी बातों में आ कर रानी दुर्गावती के राज्य को हड़प कर रानी को अपने रनवासे की शोभा बनाना चाहता था. अकबर ने लड़ाई शुरू करने के लिए रानी को एक पत्र लिखा, उसमें उसने रानी के प्रिय हाथी सरमन और उनके विश्वासपात्र वजीर आधारसिंह को अपने पास भेजने के लिए कहा. इस पर रानी ने यह मांग अस्वीकार की, तब अकबर ने असफ़ खान को मंडला में हमला करने का आदेश दे दिया. जोधा अकबर की जीवनी के बारे में जानने के लिए पढ़े.

रानी दुर्गावती की लड़ाई

सन 1562 में रानी दुर्गावती के राज्य मंडला में असफ़ खान ने हमला करने का निर्णय किया. लेकिन जब रानी दुर्गावती ने उसकी योजनाओं के बारे में सुना तब उन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए निर्णय ले कर योजना बनाई. उनके एक दीवान ने बताया कि मुगल सेना की ताकत के मुकाबले हम कुछ नहीं है. लेकिन रानी ने कहा कि शर्मनाक जीवन जीने की तुलना में सम्मान से मरना बेहतर है. फिर उन्होंने युद्ध करने का फैसला किया और उनके बीच युद्ध छिड़ गया. एक रक्षात्मक लड़ाई लड़ने के लिए रानी दुर्गावती जबलपुर जिले के नराइ नाले के पास पहुँचीं, जोकि एक ओर से पहाड़ों की श्रंखलाओं से और दूसरी ओर से नर्मदा एवं गौर नदियों के बीच स्थित था. यह एक असमान लड़ाई थी क्यूकि, एक ओर प्रशिक्षित सैनिकों की आधुनिक हथियारों के साथ भीड़ थी और दूसरी ओर पुराने हथियारों के साथ कुछ अप्रशिक्षित सैनिक थे. रानी दुर्गावती के एक फौजदार अर्जुन दास की लड़ाई में मृत्यु हो गई, फिर रानी ने सेना की रक्षा के लिए खुद का नेतृत्व करने का फैसला किया. जब दुश्मनों ने घाटी पर प्रवेश किया तब रानी के सैनिकों ने उन पर हमला किया. दोनों तरफ के बहुत से सैनिक मारे गए किन्तु रानी दुर्गावती इस लड़ाई में विजयी रहीं. वे मुगल सेना का पीछा करते हुए घाटी से बाहर आ गई.

2 साल बाद सन 1564 में असफ़ खान ने फिर से रानी दुर्गावती के राज्य पर हमला करने का निर्णय लिया. रानी ने भी अपने सलाहकारों के साथ रणनीति बनाना शुरू कर दिया. रानी दुश्मनों पर रात में हमला करना चाहती थी क्यूकि उस समय लोग आराम से रहते है लेकिन उनके एक सहयोगी ने उनका यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया. सुबह असफ़ खान ने बड़ी – बड़ी तोपों को तैनात किया था. रानी दुर्गावती अपने हाथी सरमन पर सवार हो कर लड़ाई के लिए आईं. उनका बेटा वीर नारायण भी इस लड़ाई में शामिल हुआ. रानी ने मुगल सेना को तीन बार वापस लौटने पर मजबूर किया, किन्तु इस बार वे घायल हो चुकी थीं और एक सुरक्षित जगह पर जा पहुँचीं. इस लड़ाई में उनके बेटे वीर नारायण गंभीरता से घायल हो चुके थे, तब रानी ने विचलित न होते हुए अपने सैनिकों से नारायण को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने को कहा, और वे फिर से युद्ध करने लगी.

रानी दुर्गावती की मृत्यु और उनकी समाधि (Rani Durgavati Death) –

रानी दुर्गावती मुगल सेना से युद्ध करते – करते बहुत ही बुरी तरह से घायल हो चुकीं थीं. 24 जून सन 1524 को लड़ाई के दौरान एक तीर उनके कान के पास से होते हुए निकला और एक तीर ने उनकी गर्दन को छेद दिया और वे होश खोने लगीं. उस समय उनको लगने लगा की अब वे ये लड़ाई नहीं जीत सकेंगी. उनके एक सलाहकार ने उन्हें युद्ध छोड़ कर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी, किन्तु उन्होंने जाने से मना कर दिया और उससे कहा दुश्मनों के हाथों मरने से अच्छा है कि अपने आप को ही समाप्त कर लो. रानी ने अपने ही एक सैनिक से कहा कि तुम मुझे मार दो किन्तु उस सैनिक ने अपने मालिक को मारना सही नहीं समझा इसलिए उसने रानी को मारने से मना कर दिया. तब रानी ने अपनी ही तलवार अपने सीने में मार ली और उनकी मृत्यु हो गई. इस दिन को वर्तमान में "बलिदान दिवस" के नाम से जाना जाता है. इस प्रकार एक बहादुर रानी जो मुगलों की ताकत को जानते हुए एक बार भी युद्ध करने से पीछे नहीं हठी, और अंतिम साँस तक दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई लडती रहीं. अपनी मृत्यु के पहले रानी दुर्गावती ने लगभग 15 साल तक शासन किया.

कुछ सूत्रों का कहना है कि सन 1564 में हुई रानी दुर्गावती की यह अंतिम लड़ाई सिंगरामपुर जोकि वर्तमान में मध्य प्रदेश के दमोह जिले में स्थित है, वहां हुई थी. रानी दुर्गावती की मृत्यु के बाद गोंड राज्य अत्यंत दुखी था किन्तु रानी के साहस और पराक्रम को आज भी याद किया जाता है.

रानी दुगावती का शरीर मंडला और जबलपुर के बीच स्थित पहाड़ियों में जा गिरा, इसलिए वर्तमान में मंडला और जबलपुर के बीच स्थित बरेला में इनकी समाधि बनाई गई है जहाँ अभी भी लोग दर्शन के लिए जाते हैं.

रानी दुर्गावती जयंती 2022

भारतीय इतिहास की वीर महिलाओं में गिनी जाने वाली रानी दुर्गावती एक वीर, निडर और बहुत ही साहसी युद्ध थी। रानी दुर्गावती ने अपने अंतिम सांस तक मुगलों के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी है। लोग अक्सर वीर योद्धाओं के मृत्यु को याद रखते हैं लेकिन रानी दुर्गावती के मृत्यु तिथि से ज्यादा लोग उनके जन्मदिवस को याद करते हैं।

रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर 1924 में गोंडवाना राज्य में हुआ था। वह कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकलौती संतान थी। दुर्गाअष्टमी के दिन बांदा जिले के कालिंजर किले में जन्म होने के कारण इनका नाम दुर्गावती रखा गया था। उनके तेज, वीरता, साहस और सौंदर्य के कारण है लोग उनका इतना सम्मान करते थे। हर वर्ष 5 अक्टूबर के दिन उनकी याद में जयंती मनाते है।

रानी दुर्गावती का सम्मान

वर्तमान में रानी दुर्गावती के सम्मान में बहुत सी जगहों का निर्माण हुआ.

रानी दुर्गावती के सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सन 1983 में जबलपुर के विश्वविध्यालय को उनकी याद में "रानी दुर्गावती विश्वविध्यालय" कर दिया गया.

भारत सरकार ने रानी दुर्गावती को श्रधांजलि अर्पित करने हेतु 24 जून सन 1988 में उनकी मौत के दिन एक डाक टिकिट जारी की.

रानी दुर्गावती की याद में जबलपुर और मंडला के बीच स्थित बरेला में उनकी समाधि बनाई गई.

इसके अलावा पुरे बुंदेलखंड में रानी दुगावती कीर्ति स्तम्भ, रानी दुर्गावती संग्रहालय एवं मेमोरियल, और रानी दुगावती अभयारण्य हैं.

जबलपुर में मदन मोहन किला स्थित हैं जोकि रानी दुर्गावती का उनकी शादी के बाद निवास स्थान था. इसके आलावा रानी दुर्गावती ने अपने शासनकाल में जबलपुर में अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल और अपने सबसे विश्वासपात्र वजीर आधारासिंह के नाम पर आधारताल बनवाया.

इस प्रकार वीरांगना रानी दुर्गावती ने युद्ध में अपने साहस और बहादुरी के साथ दुश्मनों का सामना करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी.

Q- रानी दुर्गावती किस वंश से थी ?
Ans- रानी दुर्गावती चंदेल वंश से थी।

Q- रानी दुर्गावती के पति का नाम क्या था ?
Ans- दलपल शाह था उनके पति का नाम।

Q- रानी दुर्गावति ने कितने युद्ध लड़े ?
Ans- रानी दुर्गावति ने 50 से ज्यादा युद्ध लड़े हैं।

Q- रानी दुर्गावति बलिदान दिवस कब मनाया जाता है ?
Ans- 24 जून को मनाया जाता है उनका बलिदान दिवस।

Q- रानी दुर्गावति की मृत्यृ कब हुई ?
Ans- 24 जून 1564 में हुई रानी दुर्गावति की मृत्यृ।

Q-रानी दुर्गावती के पिता का नाम ?
Ans- कीरत राय

Q- रानी दुर्गावती कहां की रानी थी ?
Ans- रानी दुर्गावती गोंडवाना साम्राज्य की रानी थी। गोंडवाना राज्य की रक्षा के लिए रानी जी ने अंतिम समय तक अपने साम्राज्य के लिए लड़ाई की थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद क्लस्टर कंपनियों को मिली 16 जुलाई 2024 से 15 अप्रैल 2025 तक चलने की मिली इजाजत

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार परिवहन विभाग 5/9, अंडर हिल रोड, दिल्ली-110054

क्रमांक 60/एसटीए/पॉलिसी/टीपीटी/2013/सीडी-075493930/35057

दिनांकः 14/6/2-24

आदेश

माननीय उच्च न्यायालय ने अपने आदेश दिनांक 10.06.2024 द्वारा रियायत समझौतों को 15.07.2024 तक बढ़ा दिया था।

इस संदर्भ में, माननीय परिवहन मंत्री ने निम्नलिखित शर्तों के अधीन क्लस्टर-6,7,8 और 9 की रियायत अवधि को शुरू में 16.07.2024 से 15.04.2025 तक 9 (नौ) महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ा दिया है।ः

ए) उन बसों के लिए पूंजीगत शुल्क (बस और वित्त की लागत) देय नहीं होगी, जिन्होंने जीवन के 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं और मिसाल के मुताबिक हैं, हालांकि डीआईएमटीएस या मौजूदा अनुबंध शर्तों के अनुसार गणना की गई अन्य लागत रियायतकर्ताओं को देय होगी। ऐसी बसों का सम्मान वर्तमान में उन बसों के लिए किया जा रहा है जो 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी हैं।

बी) बस(बसों) के लिए पूंजीगत शुल्क केवल तब तक देय होगा जब तक कि बसें 10 वर्ष का जीवनचक्र पूरा नहीं कर लेतीं।

यह माननीय परिवहन मंत्री के अनुमोदन से जारी किया गया है।

आपका विश्वासी,

शीबा (विशेष आयुक्त-परिवहन)

1) निदेशक

मैसर्स गोवर्धन ट्रांसपोर्ट कंपनी प्रा. लिमिटेड, दिलशाद गार्डन डिपो, दिल्ली-110095

2) निदेशक

मेसर्स एंटनी रोड ट्रांसपोर्ट सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड, यूनिट नंबर 2303, तीसरी मंजिल, टावर-2, प्लॉट नंबर बी-36, एक्सप्रेस ट्रेड टावर, सेक्टर-132, नोएडा-201303

3) निदेशक

मेसर्स मेट्रो ट्रांजिट प्रा. लिमिटेड 8551/2, रोशनारा रोड, दिल्ली-110007

4) श्री. सी.बी. सिंह, मेसर्स ग्रेट वैल्यू फ्यूल्स प्रा. लिमिटेड यूनिट नंबर जीएफ-01/02, ग्राउंड फ्लोर, टावर-डी, स्प्लेंडर स्पेक्ट्रम वन, सेक्टर-58, गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड, गुड़गांव-122011

में कॉपीः

1) सचिव, माननीय मंत्री (परिवहन), जीएनसीटीडी, दिल्ली सचिवालय, आईपी एस्टेट, दिल्ली।

2) प्र. सचिव (वित्त), जीएनसीटीडी, दिल्ली सचिवालय, आईपी एस्टेट, दिल्ली।

3) पीआर. सचिव-सह-आयुक्त (परिवहन), जीएनसीटीडी, आईपी एस्टेट, दिल्ली।

4) सहायक सचिव एसटीए, एनआईसी के माध्यम से आवश्यक संशोधन करवाएं।

5) डीटीओ, वीआइयू झुलझुली को आवश्यक कार्रवाई हेतु।

6) सीईओ, डीआईएमटीएस, 8वीं मंजिल, दिल्ली आईटी पार्क, शास्त्री पार्क, दिल्ली-110053।

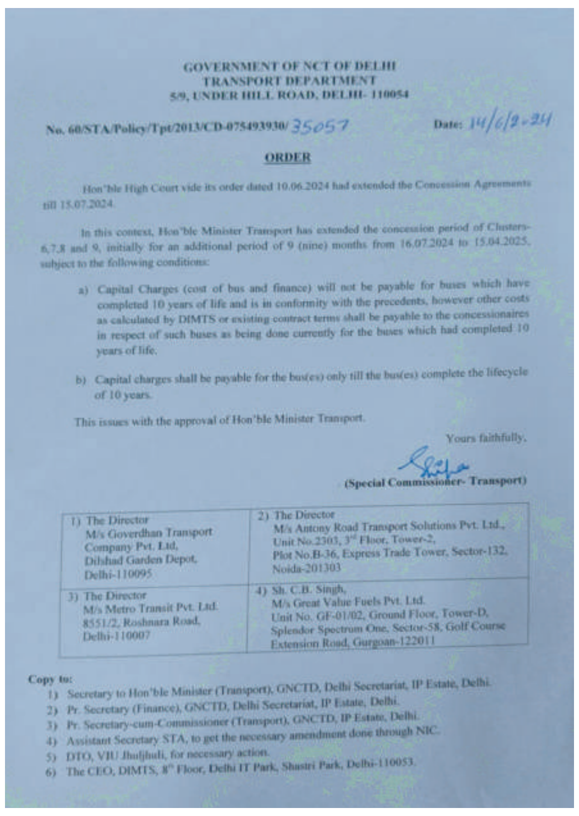
GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
TRANSPORT DEPARTMENT
5/9, UNDER HILL ROAD, DELHI- 110054

No. 60/STA/Policy/Tpt/2013/CD-075493930/ 35057 Date: 14/6/2-24

ORDER

Hon'ble High Court vide its order dated 10.06.2024 had extended the Concession Agreements till 15.07.2024.

In this context, Hon'ble Minister Transport has extended the concession period of Clusters-6,7,8 and 9, initially for an additional period of 9 (nine) months from 16.07.2024 to 15.04.2025, subject to the following conditions:

a) Capital Charges (cost of bus and finance) will not be payable for buses which have completed 10 years of life and is in conformity with the precedents, however other costs as calculated by DIMTS or existing contract terms shall be payable to the concessionaires in respect of such buses as being done currently for the buses which had completed 10 years of life.

b) Capital charges shall be payable for the bus(es) only till the bus(es) complete the lifecycle of 10 years.

This issues with the approval of Hon'ble Minister Transport.

Yours faithfully,

(Special Commissioner- Transport)

1) The Director M/s Goverdhan Transport Company Pvt. Ltd, Dilshad Garden Depot, Delhi-110095	2) The Director M/s Antony Road Transport Solutions Pvt. Ltd., Unit No.2303, 3rd Floor, Tower-2, Plot No.B-36, Express Trade Tower, Sector-132, Noida-201303
3) The Director M/s Metro Transit Pvt. Ltd. 8551/2, Roshnara Road, Delhi-110007	4) Sh. C.B. Singh, M/s Great Value Fuels Pvt. Ltd. Unit No. GF-01/02, Ground Floor, Tower-D, Splendor Spectrum One, Sector-58, Golf Course Extension Road, Gurgoan-122011

Copy to:
1) Secretary to Hon'ble Minister (Transport), GNCTD, Delhi Secretariat, IP Estate, Delhi.
2) Pr. Secretary (Finance), GNCTD, Delhi Secretariat, IP Estate, Delhi.
3) Pr. Secretary-cum-Commissioner (Transport), GNCTD, IP Estate, Delhi.
4) Assistant Secretary STA, to get the necessary amendment done through NIC.
5) DTO, VIU Jhuljhuli, for necessary action.
6) The CEO, DIMTS, 8th Floor, Delhi IT Park, Shastri Park, Delhi-110053.

कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पत्रकार रजत शर्मा ने HC में दायर किया मानहानि का मुकदमा, फैसला सुरक्षित; ये है मामला

वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक और पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन एक शो के दौरान गाली देने से संबंधित वीडियो साझा करने का मामला है। एक्स पर किए गए पोस्ट को हटाने का निर्देश देने की रजत शर्मा ने मांग की है।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन एक शो के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए एक्स पर पोस्ट करने के विरुद्ध वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक और पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि मुकदमा दायर किया है।

रजत शर्मा की अंतरिम राहत अर्जी पर आदेश सुरक्षित

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने मामले पर सुनवाई कर एक्स पर किए गए पोस्ट को हटाने का निर्देश देने की मांग संबंधी रजत शर्मा की अंतरिम राहत अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया। पूरा मामला मूल रूप से कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक से जुड़ा है। चार जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम के दिन एक शो के दौरान गाली देने का रागिनी शर्मा ने रजत शर्मा पर आरोप लगाया। रजत शर्मा की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह शर्मा ने अनुरोध किया कि एक्स पोस्ट तुरंत हटाने का निर्देश दिया जाए क्योंकि इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट की मौजूदगी से पिछले रजत शर्मा की प्रतिष्ठा को नुकसान हो रहा है।

दिल्ली: पशुओ में दूध बढाने का अवैध गोरखधंधा ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन स्कैम के सप्लायर्स पकडे

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। राजधानी दिल्ली में चल रही दूध की डेयरियों में पल रहे दुधारू पशुओ में दूध बढाने के ऑक्सिटोसिन नाम के अवैध इंजेक्शन का धड्डुले से इस्तेमाल कर पशुओ पर अत्याचार का मामला सामने आया है। इस इंजेक्शन से बढे दूध के इस्तेमाल से कई घातक बीमारियों का इंसान पर असर पढ रहा है। गाय और भैंस जैसे पशुओं में आक्सिटोसिन के अवैध इंजेक्शन लगाकर दूध बढाने की क्षमता वाले गोरखधंधे को अंजाम दे रहे दो आरोपियों को बजीराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है।आरोपियों में सोनिया विहार के शिवम 19 साल, और फिरोज 50 साल के रूप में पहचान हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों से आक्सिटोसिन इंजेक्शन के ढाई लीटर वाली 200 बोतल कच्चा माल, केमिकल और पैकिंग का सामान बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि वह दिल्ली के कई डेयरी संचालको को आक्सिटोसिन इंजेक्शन की बोतल सप्लाई करते थे।डेयरी वाले ज्यादा दूध पाने के लिए गाय- भैसो को यह इंजेक्शन लगाते है। दूध बढाने के ऑक्सिटोसिन इंजेक्शन की अवैध सप्लाई अन्य राज्यों में भी खेला चल रहा हो तो बडी बात नहीं है। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने इस सारे अवैध गौरखधंधे की जांच के लिए कोर्टकमिश्नर को नियुक्त किया था। इस बावत नोर्थ डीसीपी मनोज कुमार मीणा के मुताबिक एक याचिकाकर्ता की शिकायत पर दिल्ली हाईकोर्ट ने डेयरियों में मवेशियों दूध बढाने के चलते आक्सिटोसिन के इस्तेमाल की जांच के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था।

इसी के मद्देनजर ही पुलिस, कोर्ट कमिश्नर और बाकी लोगों की टीम ने झडौदा कॉलोनी में छापेमारी की।वहां एक डेयरी से आक्सिटोसिन की चार बोतलें मिली।डेयरी मालिक सुरेंद्र उर्फ सुंदर को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की गई तो पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसका नौकर प्रदीप आक्सिटोसिन लाता था।वह फोन बंदकर गायब है। पुलिस ने सीडीआर के आधार पर जब पडताल शुरू की, तो जांच से पता चला कि सोनिया विहार निवासी शिवम आक्सिटोसिन सप्लाई करता है। पुलिस ने शिवम को सोनिया विहार से दबोच लिया।आरोपी के पास से आक्सिटोसिन की बोतलें, केमिकल और बाकी सामान बरामद कर लिया।पूछताछ में शिवम ने बताया कि उसे कच्चा माल फिरोज नाम का शख्स सप्लाई करता है। गहन छानबीन के बाद पुलिस ने आरोपी फिरोज को दबोच लिया। फिरोज ने आगे की चैन का खुलासा किया। उसने बताया कि राकेश आक्सिटोसिन बनाने के लिए कच्चा माल सप्लाई करता है।इसे वह आगे बेच देता है।पुलिस राकेश की तलाश कर रही है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक आक्सिटोसिन इंजेक्शन लगा दूध पीने से शरीर को खासा नुकसान होता है।

इससे एलर्जी होने से शरीर में खुजली और सूजन की बिमारी हो जाती है।

गैस्ट्रोइंस्टाइनल यानि पेट से जुडी बिमारियां।

हार्मोनल बैलेंस बिगड़ने का खतरा बना रहता है।

वहीं रोज इंजेक्शन लगने से *पशुओ की भी सेहत बिगड़ जाती है। वह कमजोर, भूखागरस्त हो हड्डियों का ढांचा रह जाता है। बावजूद इसके आक्सिटोसिन इंजेक्शन लगाकर जबरदस्ती दूध निकाल कर बाजार में बेच देते है।

17 करोड़ रुपए के इंजेक्शन के लिए आप सांसद संजय सिंह ने आम लोगों से मांगी आर्थिक मदद...

AAP पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आज एक प्रेसवार्ता की। जिसमें उन्होंने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी टाइप-2 बीमारी से ग्रसित बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए आम लोगों से आर्थिक मदद की अपील की है। जब वह प्रेस-कॉन्फ्रेंस कर रहे थे तो बच्चे के माता-पिता भी उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सभी लोग आगे आएं और 100 रुपए से लेकर अपनी क्षमता के अनुसार सहायता करें।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह (Sanjay Singh) ने स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) टाइप-2 बीमारी से ग्रसित बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

इंजेक्शन नहीं लगा तो बच्चे की जांच को खतरा-AAP सांसद

शुक्रवार को उन्होंने बच्चे के माता-पिता की मौजूदगी में प्रेसवार्ता कर कहा कि बच्चे को दो साल की उम्र पूरी होने से पहले बीमारी को ठीक करने का इंजेक्शन नहीं लगा तो उसकी जांच को खतरा हो सकता है।

इंजेक्शन की कीमत 17 करोड़ रुपए-संजय सिंह

इंजेक्शन की कीमत 17 करोड़ रुपए है। मैंने अपनी तरफ से एक लाख रुपए की आर्थिक मदद की है। सभी लोग आगे आएं और 100 रुपए से लेकर अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार कितनी भी मदद करें।

क्राउंड फंडिंग के लिए इंपैक्ट गुरु नामक ऐप पर बच्चे का अकाउंट

बच्चे के माता-पिता ने क्राउंड फंडिंग के लिए इंपैक्ट गुरु नामक ऐप पर बच्चे का अकाउंट बनाया है। यहां बच्चे वेहंत जैन से संबंधित सारी जानकारी दी गई है।

बच्चे के नाम से बैंक खाता है, जिसका नंबर 222330027417243 और आइएफएससी कोर्ड आरएटीएन0वीएएपीआइएस है। इसके अलावा 9871205883 मोबाइल नंबर पर क्यूआर कोड भी बना है।

खुशखबरी! आईजीआई एयरपोर्ट पर अब विदेश से आने वाले यात्रियों के लिए इमिग्रेशन की प्रक्रिया होगी आसान

परिवहन विशेष न्यूज

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन कियोस्क प्रक्रिया को शुरू किया गया है। इसके जरिए अब ऐसे यात्रियों का रजिस्ट्रेशन कुछ ही मिनटों में हो जाएगा जिससे इमिग्रेशन से जुड़ी प्रक्रिया में लगने वाला समय आधा हो जाएगा। डायल का दावा है कि इस तरह की सुविधा अभी देश के किसी भी एयरपोर्ट पर नहीं उपलब्ध नहीं है।

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन कियोस्क की शुरुआत की है। यह कियोस्क उन विदेशी नागरिकों के लिए विशेष तौर पर बनाया गया है, जिनकी वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस के दौरान बायोमेट्रिक जानकारी दर्ज नहीं हो।

इस कियोस्क के जरिए ऐसे यात्रियों का रजिस्ट्रेशन कुछ ही मिनटों में हो जाएगा, जिससे इमिग्रेशन से जुड़ी प्रक्रिया में लगने वाला समय आधा हो जाएगा। एयरपोर्ट संचालन से जुड़ी एजेंसी डायल का दावा है कि अभी तक देश के किसी भी एयरपोर्ट में इस तरह की सुविधा नहीं है। डायल ने ये सभी कियोस्क ब्यूरो आफ इमिग्रेशन को सौंप दिए हैं।

चार से पांच मिनट लगता था वेटिंग टाइम

पहले, बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन के बिना वीजा-धारक यात्रियों को कुछ खास इमिग्रेशन काउंटर का इस्तेमाल करना पड़ता था। इन काउंटर पर औसतन चार से पांच मिनट का वेटिंग टाइम लगता था। व्यस्त घंटे के दौरान, यहां कतारें लंबी लगने लगती थी, तब यह समय और बढ़ जाता था।

बायोमेट्रिक जानकारी मैनुअल तरीके से दर्ज करने के बाद वे इमिग्रेशन से जुड़ी आगामी प्रक्रिया के लिए निकलते थे। लेकिन अब ई-वीजा के साथ भारत आने वाले यात्री आगमन पर अपने बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन को पूरा कर किसी भी इमिग्रेशन काउंटर पर आगे की प्रोसेस के लिए जा सकते हैं।

> “पहले, बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन के बिना वीजा-धारक यात्रियों को कुछ खास इमिग्रेशन काउंटर का इस्तेमाल करना पड़ता था। इन काउंटर पर औसतन चार से पांच मिनट का वेटिंग टाइम लगता था। व्यस्त घंटे के दौरान, यहां कतारें लंबी लगने लगती थी, तब यह समय और बढ़ जाता था।

शुरुआत में अभी पांच कियोस्क

डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार का कहना है कि एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए वर्ल्ड क्लास ट्रैवल की सुविधा देने के लिए हम सब प्रतिबद्ध हैं। ये बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन कियोस्क की शुरुआत से इमिग्रेशन प्रोसेस को तेज करने और यात्री सुविधा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, खासतौर से उन यात्रियों के लिए जिन्होंने वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस के दौरान अपने बायोमेट्रिक्स के लिए उपस्थित नहीं किए थे।

स्वास्थ्य के लिए अच्छा है रक्त दान महादान, यही है मानवता की पहचान : डॉ ह्रदयेश कुमार

परिवहन विशेष न्यूज

फ़रीदाबाद हरियाणा - बल्लबगढ़ के तिरखा कॉलोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में स्वास्थ्य के लिए अच्छा है रक्त दान महादान के नाम से वीडियो कांफ्रेंस मीटिंग का आयोजन किया गया आयोजन ट्रस्ट के राष्टीय अध्यक्ष डॉ एम पी सिंह ने के द्वारा किया गया जिसमे राष्टीय अध्यक्ष डॉ एम पी सिंह ने अनेक प्रकार से लोगों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए टिप्स दिए और जागरूक किया उन्होंने बताया कि स्वास्थ ही जीवन है और पर्यावरण संरक्षण भी हमारे स्वस्थ के लिए बहुत जरूरी है

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ ह्रदयेश कुमार ने स्वास्थ के लिए सभी मानव जीवन जीने वाले लोगों से एक अपील करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के लिए अच्छा है रक्त दान महादान यही है मानवता की पहचान

रक्तदान बहुत ही बड़ा दान होता है. जिससे आप एक साथ कई लोगों की जान बचा सकते हैं. हर साल जून की 14 तारीख को रक्तदान दिवस मनाया जाता है जिसका मकसद लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है.

क्या आप जानते हैं रक्तदान सिर्फ खून प्राप्त करने वालों के लिए ही फायदेमंद नहीं होता, बल्कि इससे रक्तदाता को भी कई सारे फायदे मिलते हैं. वैसे तो कोई भी स्वस्थ वयस्क पुरुष और महिला (18-65 साल) रक्तदान कर सकते हैं. पुरुष जहां हर 3 महीने में वहीं महिलाएं हर 4 महीने में रक्तदान कर सकती हैं. लेकिन कुछ सिचुएशन में दोनों को ही रक्तदान करने की मनाही होती है। प्रेग्नेंट, स्तनपान कराने वाली और गर्भपात करवा चुकी महिला और दवाइयों का सेवन करने वाले लोग और वैक्सिनेशन के बाद और कमज़ोर लोग और अल्कोहल लेने के बाद रक्तदान नहीं कर सकते हैं ब्लड डोनेशन से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है इस आयोजन में के एल अग्रवाल शिव शंकर राय, पंडित तरसेम वत्स और अनेक कॉलोनी निवासी लोग मौजूद रहे।

देश की सबसे बड़ी बिल्डिंग सुपरनोवा ने खुद को किया दिवालिया घोषित, इस बैंक का 700 करोड़ बकाया

नोएडा में सुपरटेक कंपनी की ओर से तैयार की जाने वाली 80 मंजिला इमारत दिवालिया घोषित हो गई है कंपनी पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 700 करोड रुपए बकाया थे बताया जा रहा है कि यह देश की देश की सबसे ऊंची इमारत बन रही थी। जिसमें 70 मंजिल का निर्माण पूरा हो चुका था। दिवालिया घोषित होने के कारण निवेशकों को तगड़ा झटका लगा है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। नोएडा में सुपरटेक कंपनी की ओर से तैयार की जाने वाली 80 मंजिला इमारत दिवालिया घोषित हो गई है कंपनी पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र (Bank of Maharashtra) के 700 करोड रुपए बकाया थे बताया जा रहा है कि यह देश की देश की सबसे ऊंची इमारत बन रही थी। 70 मंजिल तक का निर्माण हो चुका पूरा जिसमें 70 मंजिल का निर्माण पूरा हो चुका था। दिवालिया घोषित होने के कारण निवेशकों को तगड़ा झटका लगा है इस इमारत में बस सेलिब्रिटी ने अपना घर बुक कर रखा है।

चलती हुई ट्रक बनी आग का गोला, ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान; राहगीरों ने मंजर देख दातों तले दबाया उंगली

नोएडा के थाना एक्सप्रेसवे इलाके के सेक्टर–135 के पास आज दोपहर को एक माल से भरे ट्रक में भीषण आग लग गई। दमकल विभाग की पहुंची दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना के चलते नोएडा एक्सप्रेसवे पर काफी देर तक जाम की स्थिरि बनी रही। इससे पहले कल ग्रेटर नोएडा की गौर सिटी की एक सोसायटी में एसी ब्लास्ट के बाद फ्लैट में आग लग गई थी।

नोएडा। कोतवाली एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर 135 के पास आज दोपहर को एक माल से भरे ट्रक में भयंकर आग लग गई। इस घटना के चलते नोएडा एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर काफी देर तक लगा रहा जाम

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि मौके पर पहुंची दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। उन्होंने कहा कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। इस घटना के चलते नोएडा एक्सप्रेसवे पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही।

एसी ब्लास्ट के बाद फ्लैट में लगी थी भीषण आग

इससे पहले गुरुवार को गौतमबुद्ध नगर जिला के ग्रेटर नोएडा के ग्रेनो वेस्ट स्थित गौर सिटी एक की 6 एवेन्यू सोसायटी में एसी ब्लास्ट के बाद फ्लैट में आग लग गई। आग इतनी भयानक लगी कि घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। जिससे पूरी सोसायटी में अफरातफरी का माहौल बन गया।

पुलिस चौकी के पास स्थित पेट्रोल पंप से सटी दुकान में देर रात आग

वहीं मंगलवार को कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-37 पुलिस चौकी के पास स्थित पेट्रोल पंप से सटी दुकान में देर रात आग लग गई। सूचना पर दमकल विभाग के कर्मी तीन फायर टेंडर लेकर मौके पर पहुंच गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है।

गुरुग्राम सेक्टर 56 के निकट सड़कों की दुर्दशा, दो हफ्तों से जलभराव की समस्या

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम के सेक्टर 56 के निकट सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। पिछले दो हफ्तों से अधिक समय से लगातार जलभराव और गंदे पानी के बहाव के कारण सड़कें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस जलभराव की वजह से सड़कें अब खतरनाक हो गई हैं और इससे कई सड़क दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ़ गया है।

जलभराव की समस्या के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गंदे पानी के बहाव से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ गई है। स्थानीय लोग इस समस्या को लेकर बेहद चिंतित हैं और उन्होंने संबंधित अधिकारियों और संबंधित हितधारकों से इस मामले पर तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है।

स्थानीय निवासी ने बताया, ₹हम पिछले दो हफ्तों से लगातार इस समस्या का सामना कर रहे हैं। गंदा पानी पूरे सड़क पर फैल गया है और सड़कें पूरी तरह से टूट चुकी हैं। हम अपनी सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं और चाहते हैं कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द हो।"

एक अन्य निवासी, ने कहा, ₹यहां के सड़क की स्थिति बहुत ही खराब हो चुकी है। हर दिन दुर्घटना का डर बना रहता है। हम स्थानीय प्रशासन से अपील करते हैं कि वे तुरंत इस मुद्दे पर ध्यान दें और सड़कों की मरम्मत करवाएं।"

सड़क की इस स्थिति को देखते हुए, यह आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी और हितधारक इस मामले को प्राथमिकता दें और तुरंत कार्रवाई करें। सड़क की मरम्मत और जलनिकासी की उचित व्यवस्था की जाए ताकि स्थानीय निवासियों को इस समस्या से राहत मिल सके और कोई भी सड़क दुर्घटना न हो।

स्थानीय प्रशासन से अनुरोध है कि वे जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह समय की मांग है कि सड़कों की मरम्मत और जलभराव की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि लोगों को इस समस्या से निजात मिल सके।

सबसे बड़ा और सीधा सवाल यह है कि आखिर पप्पू पास कैसे हो गया?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पूरे चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपनी रणनीति से भाजपा को कई जगह उसके गढ़ों में ऐसी मात दी है जोकि भगवा खेमे को हमेशा सालती रहेगी।

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद खुशियां मना रही कांग्रेस पर तंज कसते हुए भाजपा ने पूछा था कि लगातार तीसरी बार सत्ता से दूर रही कांग्रेस आखिर किस बात का उत्सव मना रही है? देखा जाये तो भाजपा का सवाल वाजिब था क्योंकि तीन चुनावों से कांग्रेस तीन अंकों में सीटें हासिल नहीं कर पा रही है फिर भी उत्सव ऐसे मना रही है जैसे उसका कोई बड़ा मिशन पूरा हो गया हो। आप 2014 से 2024 तक के तीन लोकसभा चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि इस बार कांग्रेस को वाकई जश्न मनाना ही चाहिए क्योंकि सत्ता से दूर रह जाने के बावजूद यह भी सही है कि कांग्रेस को इस बार बड़ी जीत मिली है। दरअसल कांग्रेस ने लगातार हार से उपजी निराशा पर जीत हासिल कर ली है। पिछले दस सालों से कांग्रेस मुक्त भारत अभियान जिस तेजी से चला था उससे ऐसा लग रहा था कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी शायद जल्द ही लुप्तप्राय हो जाये लेकिन कांग्रेस की शानदार वापसी ने उसके समर्थकों और कार्यकर्ताओं को जोश से भर दिया है।

इसके अलावा भाजपा ने राहुल गांधी को पप्पू करार देकर उन्हें पूरी तरह से विफल घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन राहुल गांधी ने पूरे चुनाव प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का नेतृत्व करते हुए अपनी रणनीति से भाजपा को कई जगह उसके गढ़ों में ऐसी मात दी है जोकि भगवा खेमे को हमेशा सालती रहेगी। भारतीय राजनीतिक इतिहास को देखेंगे तो पाएंगे कि विपक्षी नेता के रूप में राहुल गांधी ने बहुत कुछ सहा है। उनकी छवि पप्पू यानि कम बुद्धि वाले नेता की बना दी गयी थी। यही नहीं, उनकी राष्ट्रभक्ति पर भी सवाल उठाये गये। लोकसभा चुनावों से पहले उनके विदेशी दौरों को सवालों के घेरे में लाते हुए उन पर आरोप लगाये गये कि वह विदेशों में अपने संबोधनों के जरिये देश की छवि खराब कर रहे हैं। चुनावों के दौरान राहुल गांधी के तमाम पुराने वीडियो के अंश निकाल कर उनकी समझ पर सवाल उठाये जा रहे थे। राहुल गांधी बाइक मैकेनिक से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी बढ़ई से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी ट्रक ड्राइवरों से मिलें तो सवाल, राहुल गांधी छात्रों से मिलें तो सवाल। ऐसा माहौल बना दिया गया था कि राहुल गांधी हर धंधे में हाथ आजमाना चाहते हैं क्योंकि वह राजनीति में सफल नहीं हो पाये। लेकिन लोकसभा चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया कि राहुल गांधी राजनीति में सफल और स्थापित, दोनों हो गये हैं। राहुल गांधी की इस सफलता को सोशल मीडिया पर 'पप्पू पास हो गया' की संज्ञा दी जा रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि पप्पू पास कैसे हो गया? यदि आप राहुल गांधी की पिछले एक-डेढ़ साल की राजनीतिक गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि उन्होंने परीक्षा करीब आने पर ही पढ़ने जैसी आदत छोड़कर साल के शुरू से ही परीक्षा की तैयारी में जुटने वाले छात्र का आचरण अपना लिया है।कांग्रेस ने अगर अपनी लोकसभा सीटों की संख्या में लगभग 50 का इजाफा किया है तो इसमें राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का भी अहम योगदान है। इन दोनों यात्राओं के जरिये राहुल गांधी ने जब देश के विभिन्न कोनों की समस्याओं को करीब से समझा और जनता से सीधी मुलाकात कर उनके मन की बात जानी तो इससे उनमें खुद भी बड़ा परिवर्तन आया और जनता के बीच उनकी छवि में भी सुधार हुआ। राहुल गांधी जब अपनी यात्राओं के दौरान पैदल चलते हुए आम लोगों से बात करते थे तब लोगों को समझ आया कि राहुल गांधी कम बुद्धि वाले नेता नहीं हैं जैसा कि आमतौर पर उन्हें दर्शाया जाता है। इसके अलावा, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से अब तक की उनकी तमाम तस्वीरों को देख लीजिये उनमें सिर्फ उनकी विदेश यात्रा को छोड़ दें तो बाकी तस्वीरों में आपको यही लगेगा कि वह अपनी लुक पर ध्यान देने की बजाय साधारण तरीके से रहने में विश्वास करने लगे हैं और आम जन के बीच उन्हीं की तरह रहना और दिखना चाहते हैं। आप अगर राजनीतिक इतिहास उठा कर देखेंगे तो पाएंगे कि जनता के बीच साधारण तरीके से रहने वाले नेता बहुत लोकप्रिय होते हैं। राहुल गांधी जिस तरह टी-शर्ट और पैंट में ही रहते हैं और चाहे सर्दी हो या गर्मी, उनका लुक एक जैसा ही रहता है उसका बड़ा असर मतदाताओं पर पड़ा है।

आपने चुनावों के दौरान अक्सर देखा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी को शहजादा बताते हुए उन पर हमले करते हैं लेकिन राहुल गांधी पिछले लगभग एक-डेढ़ साल से जिस साधारण तरीके से रह रहे हैं उसके चलते इस बार के चुनावों में 'शहजादा' शब्द ने उन्हें नुकसान नहीं पहुँचाया। 2014 से पहले नरेंद्र मोदी की छवि साधारण नेता की और राहुल गांधी की छवि युवराज की थी लेकिन अब मोदी के सूट-बूट पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस ने उनकी छवि अमीर और उद्योगपतियों के समर्थक की और राहुल गांधी की छवि 'जननायक' की बना दी है। लेकिन यह सब इतना आसान नहीं रहा। राहुल गांधी को 'पप्पू' वाली छवि से बाहर निकालने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम ने दिन-रात काम किया और आखिरकार उन्हें सफलता मिल गयी। बताया जाता है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के प्रचार का काम कांग्रेस ने मार्केटिंग और कम्युनिकेशन फर्म तीन बंदर को दिया था। राहुल गांधी की यह दोनों यात्राएं प्रचार की दृष्टि से तो काफी सफल रहीं ही साथ ही उनकी छवि भी एक गंभीर राजनेता की बनाने में मददगार साबित हुईं। इसी मार्केटिंग फर्म ने कांग्रेस के प्रचार अभियान को धार देते हुए चुनावों के दौरान ऐसे-ऐसे स्लोगन बनाये जोकि लोगों की जुबान पर चढ़ गये। साथ ही कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुछ

उद्योगपतियों के करीब होने की बात कहते हुए ऐसा प्रचार अभियान चलाया कि लोगों को लगने लगा कि एक दो उद्योगपतियों को ही देश के सारे संसाधन सौंपे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की उद्योगपतियों के साथ पुरानी तस्वीरों को ऐसे वायरल कराया गया कि छोटे शहरों और गांवों में लोगों को लगने लगा कि मोदी सरकार सिर्फ उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। जिस समय प्रधानमंत्री की उद्योगपतियों की या सूट बूट में तस्वीर पोस्ट की जाती थी उसके कुछ ही देर बाद किसी गरीब को गले लगाये या माथे पर चंदन लगा कर ध्यान लगाते हुए राहुल गांधी की तस्वीर पोस्ट की जाती थी। यानि जिस तरह मोदी ने अपनी ब्रैंड इमेज बनाई ठीक उसी तरह राहुल गांधी ने भी अपनी ब्रांड इमेज बनाई।

इसके अलावा, जिस समय पूरा देश अयोध्या में राम मंदिर बनने की खुशी में उत्सव मना रहा था और ऐसा लग रहा था कि राम लहर में भाजपा वाकई में इस बार चुनावों में 400 सीटों के पार चली जायेगी तभी राहुल गांधी की टीम ने भाजपा पर संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने की चाल चलने जैसे आरोप लगाने शुरू कर दिये। इन आरोपों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कुछ सोशल मीडिया इनफ्लुएंसरों की मदद भी ली गयी। उनसे भी वीडियो बनवाये गये और आखिरकार यह टीम जनता के मन में यह बात बिठाने में सफल रही कि अगर मोदी 400 सीटों के साथ सत्ता में वापस आये तो संविधान बदल देंगे। प्रधानमंत्री चुनावों में बार-बार कह रहे थे कि उनका अगला कार्यकाल और भी बड़े फैसलों वाला होगा। इसे इस रूप में दर्शाया गया कि अगला बड़ा फैसला आरक्षण खत्म करने का होगा। यह बात लोगों के मन में बिठाने के लिए डीपफेक वीडियो बनवाये गये जिसे कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी शेयर कर भ्रम फैलाने का काम किया। जब कांग्रेस ने यह देखा कि प्रधानमंत्री उनकी चाल समझ गये हैं और इस ओर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए मंगलसूत्र और मुजरा जैसे शब्दों का उपयोग कर रहे हैं तब कांग्रेस ने दूसरी चाल चलते हुए कुछ ऐसे चुनावी जुमले पेश किये जिसमें कही जा रही बातों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं ने यकीन कर लिया।

दरअसल, कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को एक लाख रुपए सालाना देने का वादा किया था। इसके अलावा युवाओं से 'पहली नौकरी पक्की' जैसा महत्वपूर्ण वादा किया था। साथ ही कांग्रेस ने देश में जाति जनगणना करवाने और अग्निवीर योजना को रद्द करने का वादा भी किया था। कांग्रेस ने जब यह देखा कि उसके घोषणापत्र में किये गये वादे जनता तक ठीक से पहुँच नहीं पा रहे हैं तो 'खटाखट, फटाफट' जैसे शब्दों का उपयोग कर मतदाताओं का ध्यान आकर्षित किया गया। यह शब्द लोगों के कानों में गूंजते रहे और राहत पाने के उद्देश्य से लोगों ने कांग्रेस की झोली वोटों से भर दी। इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावों के दौरान 'मेरे विकास का हिसाब दो' और 'सब कुछ ठीक नहीं है' जैसे प्रचार अभियानों के जरिये भी भाजपा को घेरने में सफलता हासिल की। कांग्रेस के पूरे प्रचार अभियान पर नजर डालेंगे तो लगेगा कि सिर्फ कंटेंट के मामले में ही नहीं बल्कि टाइमिंग के हिसाब से भी पार्टी की प्रतिक्रिया जोरदार रही। हम आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में कांग्रेस ने प्रचार अभियान को नई धार देने के लिए भाषा और क्षेत्र के हिसाब से चार टीमें गठित की थीं। हर टीम में 900 से लेकर एक हजार तक इंटर्न थे जोकि उस क्षेत्र में स्थानीय सोशल मीडिया टीमों के साथ संपर्क में रहते थे। हर क्षेत्र की टीम में काम कर रहे लोगों को विभिन्न इलाकों के व्हाट्सएप ग्रुपों में भी शामिल किया गया था ताकि आपसी समन्वय बेहतर तरीके से हो सके।

चुनाव प्रचार के दो महीनों के दौरान के भाजपा और कांग्रेस के सोशल मीडिया अकाउंटों पर लाइक, रीपोस्ट या कमेंटों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि कांग्रेस की डिजिटल टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा क्योंकि सोशल मीडिया पर उसकी पोस्टों को लोगों ने काफी पसंद किया। सोशल मीडिया पर कांग्रेस के प्रचार अभियान का जवाब देने में भाजपा का आईटी सेल एक तो पीछे रहा साथ ही भगवा दल के पास ध्रुव राठी जैसे यूट्यूबरों की ओर से फैलाई जा रही बातों की प्रभावी काट नहीं मौजूद थी। इसके अलावा, चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमाम मीडिया संस्थानों को साक्षात्कार दिये जिसे भाजपा के सभी नेताओं ने साझा किया लेकिन इन साक्षात्कारों में नया कुछ भी नहीं था जबकि कांग्रेस और उसके नेताओं की सोशल मीडिया पोस्टें अपने बेहतर कंटेंट की वजह से सबका ध्यान आकर्षित कर रही थीं। इसके अलावा भाजपा पर निशाना साधने वाले यूट्यूबरों के तमाम वीडियो कांग्रेस के लोग साझा कर रहे थे जबकि मोदी सरकार या भाजपा का गुणगान करने वाले यूट्यूबरों के वीडियो भाजपा के लोग साझा नहीं कर रहे थे और सिर्फ मोदी के आभामंडल से इतना प्रभावित थे कि उन्हें लग रहा था कि 400 पार का नारा हकीकत होने ही वाला है तो मेहनत क्यों करनी?

इसके अलावा, राहुल गांधी के यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज, एक्स या इंस्टाग्राम अकाउंट पर ही उनके सब्सक्राइबर या फॉलोअर बढ़ने और चुनावों में कांग्रेस को वोट नहीं मिलने जैसे कटाक्ष करने वालों को यह भी देखना चाहिए कि कांग्रेस के नेता दो लोकसभा सीटों से बड़े अंतर से विजयी होने में सफल रहे हैं। पिछली लोकसभा के दौरान ऐसा भी समय आया था जब राहुल गांधी को संसद की सदस्यता और सरकारी आवास से हाथ धोना पड़ा था लेकिन जनता ने इस बार उन्हें दो सीटों से चुनाव जिता कर भेज दिया है। यही नहीं राहुल गांधी की जीत का अंतर प्रधानमंत्री मोदी की जीत के अंतर से बहुत ज्यादा है। यदि राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं का आग्रह स्वीकार कर विपक्ष का नेता बनने का प्रस्ताव मान लिया तो मोदी से उनकी सीधी राजनीतिक भिडंत होगी जोकि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य पर बड़ा असर डाल सकती हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी का आरोप रहता है कि प्रधानमंत्री उनकी बात का जवाब नहीं देते लेकिन यदि राहुल विपक्ष के नेता बन गये तो प्रधानमंत्री को उनके सवालों का जवाब देना ही होगा। इसके अलावा, चुनावों में राहुल गांधी को जिस तरह जनता का आशीर्वाद मिला है उससे उन्होंने उस धारणा को भी तोड़ दिया है कि नरेंद्र मोदी के विराट राजनीतिक व्यक्तित्व तक कोई नेता नहीं पहुँच सकता है।

बहरहाल, इस तरह आप कुल मिलाकर देखेंगे तो पाएंगे कि पास होने के लिए पप्पू ने खुद भी मेहनत की है और उनकी टीम ने भी उन्हें पूरा सहयोग दिया है। भले पप्पू इस बार भी टॉप नहीं कर पाया हो लेकिन पास होकर उसने विफलता का तमगा अपने ऊपर से उतार फेंका है। देखा जाये तो यह कांग्रेस के लिए कम खुशी की बात नहीं है इसलिए उनका उत्सव मनाना स्वाभाविक ही है।

इन 7 एसयूवी की है सबसे ज्यादा डिमांड, लिस्ट में टाटा और महिंद्रा की 2-2 गाड़ियां

Top 7 Best-Selling SUVs in May 2024 SUV कारों की बढ़ती पॉपुलरता के साथ ही इनकी बिक्री में भी बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है। मई 2024 में टाटा मोटर्स से लेकर मारुति तक की गाड़ियां जमकर बिकी है। पिछले महीने में महिंद्रा स्कॉर्पियो ने अपनी बिक्री के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाया है। आइए जानते हैं कि मई 2024 में कौन सी SUV कितनी बिकी है.

नई दिल्ली। भारत में इस बार हैचबैक और सेडान कारों से ज्यादा बिक्री SUV गाड़ियों की हुई है। मई 2024 के आंकड़े को देखें तो टाटा पंच की सबसे ज्यादा बिक्री हुई। इसके साथ ही दूसरी कारों की भी जमकर बिक्री हुई है। जिसमें टाटा, मारुति, महिंद्रा और हुंडई की गाड़ियां शामिल हैं। आइये जानते हैं कि किस SUV कार की कितनी युनिट की बिक्री हुई है।

मॉडल	मई 2024	मई 2023	इतनी बिक्री %
टाटा पंच	18,949	11,124	70%
हुंडई क्रेटा	14,662	14,449	1%
मारुति ब्रेजा	14,186	13,398	6%
महिंद्रा स्कॉर्पियो	13,717	9,318	47%
मारुति फ्रॉन्क्स	12,681	9,863	29%
टाटा नेक्सन	11,457	14,423	-21%
महिंद्रा XUV 3XO	10,000	10,000	95%

Tata Punch

हाल के समय में टाटा मोटर्स कंपनी की एसयूवी पंच लोग पसंद कर रहे हैं। टाटा पंच को मई 2024 में 18,949 ग्राहकों ने खरीदा है। इस कार की शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 6.13 लाख रुपये हैं।

Hyundai Creta

क्रेटा भारत में सबसे ज्यादा वाली कारों में से एक है। इस साल मई महीने में इसकी 14,662 यूनिट की बिक्री हुई। पिछले कुछ वर्षों में इस कार की बिक्री में बढ़ोतरी देखने के लिए मिली है। Hyundai Creta की शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 11 लाख रुपये हैं।

Maruti Brezza

इस कार की पिछले महीने यानी मई 2024 में 14,186 यूनिट बिक्री हुई है, जो कि सालान आधार पर 6% की वृद्धि है। वहीं, यह मारुति के होने के कारण इसकी सर्विस और आफ्टरमार्केट भी मिलता है। Maruti Brezza की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 8.34 लाख रुपये है।

Mahindra Scorpio

पिछले महीने यानी मई 2024 में ज्यादा बिकने वाली SUV कारों में महिंद्रा की स्कॉर्पियो भी शामिल है। इस गाड़ी की बिक्री 13,717 यूनिट्स हुई है, जो कि सालाना आधार पर 47% विद्धि हुई है। इस कार शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 16.04 लाख रुपये है।

Maruti Fronx

मारुति ब्रेजा के बाद कंपनी की यह दूसरी कार है जिसने इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। मई 2024 में Maruti Fronx की कुल 12,681 यूनिट बिकी है, जो सालाना आधार पर 29% की वृद्धि हुई है। इस कार की शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 7.51 लाख रुपये है।

Tata Nexon

टाटा की यह सबकॉम्पैक्ट एसयूवी कार देश में सबसे अधिक बिकने वाली गाड़ियों में से एक है। टाटा मोटर्स ने इस साल मई में नेक्सन के लिए 11,457 यूनिट की बिक्री हुई है। Tata Nexon की शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 8 लाख रुपये है।

Mahindra XUV 3XO

महिंद्रा की XUV 3XO ने इस साल मई में बिक्री में 95% सालाना वृद्धि हुई है। इस बार इसकी 10,000 हजार यूनिट की बिक्री हुई है। Mahindra XUV 3XO की शुरुआती एक्स-शोरुम कीमत 7.49 लाख रुपये है और 15.49 लाख रुपये तक जाती है।

2024 कावासाकी निंजा 300 को 2 नई कलर स्कीम के साथ किया गया लॉन्च, कीमत में नहीं हुआ बदलाव

कावासाकी निंजा 300 को दो नए रंग – कैंडी लाइम ग्रीन और मेटैलिक मूनडस्ट ग्रे के साथ पेश किया गया है। कावासाकी निंजा 300 में 296 सीसी का ट्विन–सिलिंडर लिक्विड–कूल्ड इंजन है जो 38.88 बीएचपी और 26.1 एनएम का पीक टॉर्क विकसित करता है जिसे 6–स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। इसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नई दिल्ली। India Kawasaki Motor ने 2024 Kawasaki Ninja 300 को दो नए रंग - कैंडी लाइम ग्रीन और मेटैलिक मूनडस्ट ग्रे के साथ पेश किया है। हालांकि, नए मॉडल वर्ष के लिए लाइम ग्रीन शेड में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कीमत में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है और 2024 कावासाकी निंजा 300 का रिटेल प्राइस 3.43 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है।

2024 Kawasaki Ninja 300 की खासियत

ब्रांड की अन्य मोटरसाइकिलों की तुलना में कावासाकी निंजा 300 को भारत में काफी हद तक स्थानीयकृत किया गया है। 2018 में वैश्विक स्तर पर निंजा 400 द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने के बावजूद, भारत निंजा 300 की बिक्री जारी रखने वाले अंतिम बाजारों में से एक बना हुआ है। संयोग से निंजा 300 और निंजा 400 को इस साल की शुरुआत तक भारत में एक साथ बेची जाती थी।

2013 में मारी थी एंट्री

कावासाकी निंजा 300 पहली बार 2013 में आई थी और पिछले एक दशक में कुछ विनियामक अपडेट को छोड़कर यह काफी हद तक एक जैसी ही रही है। ट्विन हेडलैम्प और शार्प स्टाइल वाली फेयरिंग के साथ इसका डिजाइन अधिकांश भाग में अपरिवर्तित रहता है, कावासाकी इंडिया ने हाल के वर्षों में एक पिलियन ग्रैब रेल और एक साड़ी गार्ड जोड़ा है। हालांकि, इसकी किफायती कीमत खरीदारों को शोरूम तक खींचती रहती है, जो अपनी पहली क्वाकर का स्वाद लेना चाहते हैं।

इंजन और स्पेसिफिकेशन

कावासाकी निंजा 300 में 296 सीसी का ट्विन-सिलिंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन है जो 38.88 बीएचपी और 26.1 एनएम का पीक टॉर्क विकसित करता है, जिसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। बाइक में असिस्ट और स्लिपर क्लच है।

फुल-फेयर्ड पेशकश एक ट्यूबलर डायमंड-टाइप चेसिस द्वारा सपोर्टेड है, जबकि सस्पेंशन ड्यूटी आगे की तरफ टेलीस्कोपिक फोर्क्स और पीछे की तरफ मोनोशॉक द्वारा संभाली जाती है। ब्रेकिंग परफॉरमेंस दोनों छोर पर सिंगल डिस्क से आती है, जिसमें डुअल-चैनल ABS स्टैंडर्ड है। निंजा 300 को 17-इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। निंजा 300 अपने सेगमेंट की ट्विन-सिलिंडर मोटरसाइकिलों में सबसे सस्ता विकल्प है।

एमजी एस्टॉर के चुनिंदा वेरिएंट्स की कीमतों में हुई 38 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी, जानिए अपडेटेड प्राइस

MG Astor शार्प प्रो और सेवी प्रो की कीमतों में क्रमश 31800 रुपये और 38000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। आपको बता दें कि कीमत में बढ़ोतरी के साथ कोई मैकेनिकल अपडेट नहीं किया गया है। MG Astor भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा किआ सेल्टोस मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा टोयोटो अर्बन क्रूजर हाइडर होंडा एलिवेट फोक्सवैगन ताइगुन और स्कोडा कुशाक जैसी एसयूवी को टक्कर देती है।

नई दिल्ली। MG Motor India ने अपनी Astor SUV के चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 38 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। एमजी एस्टर की शुरुआती कीमत 9.98 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जबकि बेस वेरिएंट की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इन वेरिएंट के बढ़े दाम

MG Astor शार्प प्रो और सेवी प्रो की कीमतों में क्रमशः 31,800 रुपये और 38,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। ये कॉम्पैक्ट एसयूवी 6 वेरिएंट - स्प्रिंट, शाइन, सेलेक्ट, स्मार्ट, शार्प प्रो और सेवी प्रो में बेची जाती है। कंपनी ने हाल ही में हेक्टर और हेक्टर प्लस की कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी।

इंजन और स्पेसिफिकेशन

कीमत में बढ़ोतरी के साथ कोई मैकेनिकल अपडेट नहीं किया गया है। ये एसयूवी 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध है। ट्रांसमिशन विकल्पों में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड मैनुअल और CVT टॉर्क कन्वर्टर शामिल हैं।

MG Astor भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, टोयोटो अर्बन क्रूजर हाइडर, होंडा एलिवेट, फोक्सवैगन ताइगुन और स्कोडा कुशाक जैसी एसयूवी को टक्कर देती है।

जल्द ही मिलेगा फेसलिफ्ट वर्जन

MG Astor को जल्द ही फेसलिफ्ट अवतार मिलने वाला है। इसमें आउटगोइंग मॉडल की तुलना में स्टाइलिंग ओवरहॉल किया जाएगा। डिजाइन अपडेट Astor को एक नया रूप देंगे, जबकि केबिन में अन्य अपग्रेड के अलावा नए फीचर्स और अपडेटेड अपल्होस्ट्री मिल सकती है।

हुंडइ, किआ और स्कोडा भारतीय बाजार में पेश करेंगी 3 नई कॉम्पैक्ट एसयूवी, देखिए लिस्ट

परिवहन विशेष न्यूज

Skoda अपनी नई Compact SUV का प्रीमियर मार्च 2025 में करेगी। 2025 Hyundai Venue में डिजाइन और सुविधाओं दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होने वाले हैं जिसमें कोई महत्वपूर्ण यांत्रिक परिवर्तन की योजना नहीं है। Kia Syros को 2025 की शुरुआत में भारतीय बाजार के अंदर पेश किया जा सकता है। आइए इन अपकमिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोटिव बाजार के अंदर कॉम्पैक्ट SUV की बेहतरीन मांग है। अगले साल यानी 2025 में स्कोडा, हुंडई और किआ जैसी अग्रणी निर्माताओं की ओर से नए प्रोडक्ट पेश किए जाएंगे, जो Tata Nexon, Maruti Suzuki Brezza, Mahindra XUV 3XO, Kia Sonet, Nissan Magnite और Renault Kiger को टक्कर देंगे। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Skoda Compact SUV

स्कोडा ने हाल ही में भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित कॉम्पैक्ट एसयूवी के लॉन्च शेड्यूल का खुलासा किया है। Skoda अपनी नई Compact SUV का प्रीमियर मार्च 2025 में करेगी। इस सब-फोर-मीटर एसयूवी को बड़े पैमाने पर स्थानीयकृत MQB A0 IN प्लेटफॉर्म पर बनाया जाएगा। इसे 1.0 लीटर, 3-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलेगा।

New Gen Hyundai Venue

आगामी वर्ष में, हुंडई ने दूसरी पीढ़ी की वेन्यू को लॉन्च करने की योजना बनाई है, जो कि हाल ही में अधिग्रहित तालेगांव सुविधा में उत्पादन की शुरुआत के साथ तालमेल बिठाएगी।

आंतरिक रूप से Q2Xi के रूप में जानी जाने वाली, 2025 Hyundai Venue में डिजाइन और सुविधाओं दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होने वाले हैं, जिसमें कोई महत्वपूर्ण यांत्रिक परिवर्तन की योजना नहीं है।

Kia Syros को 2025 की शुरुआत में भारतीय बाजार के अंदर पेश किया जा सकता है। इसको भविष्य में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वेरिएंट में भी पेश किए जाने की संभावना है। इसे सोनेट और सेल्टोस के बीच प्लेस किया जाना है और ये बजटेड एसयूवी होगी।

फीचर्स की बात करें, तो ये वायरलेस एपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो को सपोर्ट करने वाला एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और वायरलेस चार्जर जैसे फीचर्स के साथ उपलब्ध होगी।

जम्मू-कश्मीर की आगे की राह

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

मतदाताओं ने मजहबी भेदभाव की ये दीवारें तोड़ कर सैयदा के मुकाबले एक गुज्जर को और सुन्नी के मुकाबले एक शिया को भारी बहुमत से जिता दिया। जम्मू कश्मीर के दोनों राज परिवार ध्वस्त हो गए। शेख अब्दुल्ला परिवार और मुफ्ती परिवार का कोई भी सदस्य लोकसभा में नहीं होगा'

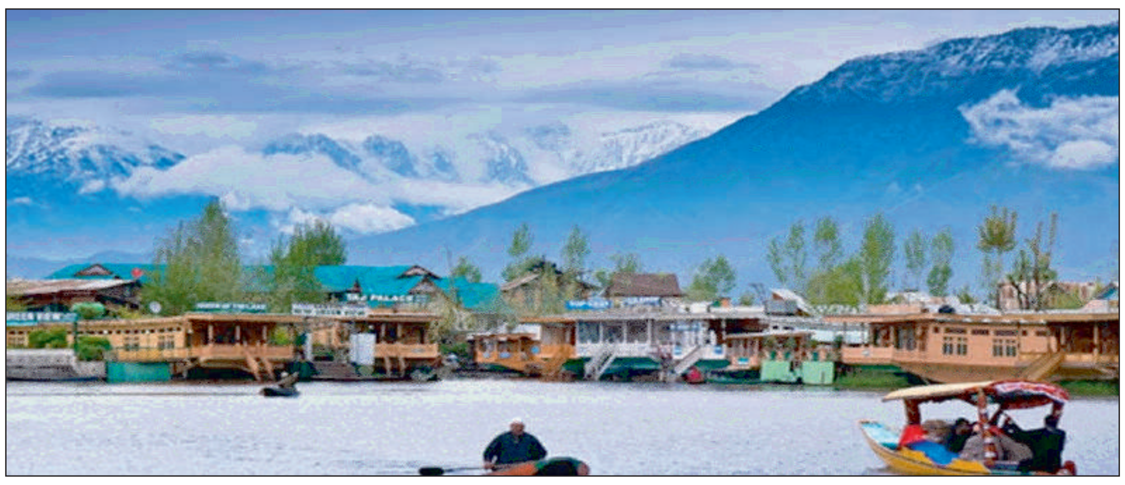

जम्मू कश्मीर विधानसभा के लिए चुनाव सितम्बर 2024 तक सम्पन्न हो जाएंगे, ऐसा उच्चतम न्यायालय के फैसले से ही स्पष्ट हो गया था। इसके लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां भी प्रारम्भ कर दी हैं। राज्य में हवा का रुख क्या है, इसका थोड़ा बहुत संकेत लोकसभा के लिए हुए चुनाव परिणाम से भी मिल ही जाता है। वैसे हवा का रुख कब बदल जाए, इसका अन्दाजा तो मौसम विज्ञानी भी नहीं लगा पाते। लोकसभा में जम्मू कश्मीर की पांच सीटें हैं। इनमें से जम्मू और ऊधमपुर तो जम्मू संभाग में आती हैं और श्रीनगर व बारामूला कश्मीर संभाग में आती हैं। तीसरी सीट अनंतनाग-राजौरी है जो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में बंटी हुई है। जम्मू संभाग की दोनों सीटें भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत ली हैं। लेकिन कश्मीर संभाग की दोनों सीटों के चुनाव परिणाम चौंकाने वाले ही कहे जाएंगे। वैसे श्रीनगर, बारामूला और अनन्तनाग की तीनों सीटों पर पहली बार कुल मिला कर 50.86 फीसदी मतदान हुआ। 2019 में यह मतदान 19 फीसदी के आसपास था। सबसे पहले श्रीनगर सीट की बात ही की जाए। इस सीट में श्रीनगर के अतिरिक्त बडगाम, गांदरबल, पुलवामा और शोपियां जिले शामिल हैं। यह सीट शेख मोहम्मद अब्दुल्ला परिवार का अभेद्य किला मानी जाती थी। इस सीट पर अब तक हुए तेरह चुनावों में से दस बार नेशनल कान्फ्रेंस को ही जीत मिली है। यहां से फारूक अब्दुल्ला, उनके माता जी बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला और उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला बार बार जीतते रहे हैं। लेकिन इस बार अब्दुल्ला परिवार की ओर से इस सीट पर कोई मैदान में नहीं था।

नेशनल कान्फ्रेंस की ओर से शिया पंथ से ताल्लुक रखने वाले बडगाम के युवा नेता आगा रुहुल्लाह मेहदी को मैदान में उतारा था। रुहुल्लाह के पिता की हत्या आतंकवादियों ने 2000 में गुटों की भीतरी कलह के चलते कर दी थी। मेहदी का मुकाबला इस बार पीडीपी के वहीदुर रहमान पारा और अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर से था। भारतीय जनता पार्टी का कोई प्रत्याशी नहीं था, लेकिन पार्टी परोक्ष रूप से अपनी पार्टी के पक्ष में दिखाई दे रही थी। जहां तक मतदान का सवाल है, श्रीनगर सीट पर 1996 में 40.94 फीसदी मतदान हुआ था, जो 2019 तक आते आते 14.43 फीसदी पर सिमट गया था। कहा यह भी जाता है कि यहां के राजनीतिक दल ज्यादा पैसा इस बात पर खर्च करते थे कि मतदान का बायकाट करवा दिया जाए, ताकि केवल कुछ हजार वोट से ही लोकसभा पहुंचा जा सके। लेकिन इस बार इस सीट पर 38 फीसदी से भी ज्यादा मतदान हुआ। नेशनल कान्फ्रेंस के रुहुल्लाह मेहदी को 3.56 लाख (52.8 फीसदी) वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी पीडीपी के प्रत्याशी को 1.68 लाख (24.9 फीसदी) वोट मिले। अपनी पार्टी के मोहम्मद अशरफ मीर को मात्र 65954 वोट मिले। गुलाम नबी आजाद ने अपनी अलग डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बना कर अपना प्रत्याशी भी मैदान में उतारा था, लेकिन वह 15104 वोट ही ले पाया।

यह भी पहली बार ही हुआ है कि श्रीनगर से कोई शिया पंथ का प्रत्याशी लोकसभा पहुंचा हो। बारामूला लोकसभा क्षेत्र की कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। यहां 58.17 फीसदीमतदान हुआ जो राज्य में सबसे ज्यादा मतदान का रिकार्ड है। यहां नेशनल कान्फ्रेंस के शाही परिवार के वारिस उमर अब्दुल्ला को एक आजाद उम्मीदवार अब्दुल रशीद शेख ने बुरी तरह पराजित किया। रशीद को 472481 (45.7 फीसदी) वोट मिले जबकि उमर अब्दुल्ला को 268339 (25.95 फीसदी) से ही संतोष करना पड़ा। पीपुल्स कान्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन को 173239 (16.76 फीसदी) वोट मिले। कहा जाता है कि लोन की सहायता भारतीय जनता पार्टी भी कर रही थी। पीडीपी का प्रत्याशी तो कुल मिलाकर 27488 पर ही सिमट गया। जीतने वाला प्रत्याशी रशीद पिछले पांच साल से धन संबंधी मामलों के हेरफेर के चलते जेल में बंद है। रशीद पहले सज्जाद गनी लोन की पीपुल्स कान्फ्रेंस में ही था, लेकिन उसने बाद में अपनी अवामी इत्तिहाद पार्टी बना ली थी। अनन्तनाग-राजौरी सीट कश्मीर और जम्मू संभाग की सांझी सीट है। बारामूला सीट ने पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को ठिकाने लगाया, तो अनन्तनाग ने दूसरी पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को धूल चटा दी। इस सीट पर मुख्य लड़ाई नेशनल कान्फ्रेंस के मियां अलताफ अहमद और पीडीपी की महबूबा मुफ्ती के बीच थी। मियां जी को 521836 वोट मिले और महबूबा मुफ्ती को 240042 वोट हासिल हुए। अपनी पार्टी के मिनहास को 42195 और गुलाम नबी आजाद की आजाद पार्टी को 25561 वोट मिले। कुल मिला कर इस सीट पर 53 फीसदी मतदान हुआ जो अब तक का रिकार्ड मतदान है।

मियां अलताफ अहमद घाटी की सूफी परम्परा के एक सिलसिले से ताल्लुक रखते हैं। वे घाटी में इस सिलसिले के मुखिया कहे जा सकते हैं, जो उनके खानदान में पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। जब 1931 में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने घाटी में मुस्लिम कान्फ्रेंस शुरू की थी तभी मियां अलताफ अहमद के दादा मियां निजामुद्दीन ने भी कश्मीर घाटी में गुज्जर-जाट कान्फ्रेंस का गठन किया था। इस सीट पर लड़ाई ने एटीएम बनाम डीएम का रूप ही ले लिया था। जहां तक जम्मू संभाग की दो सीटों जम्मू और ऊधमपुर का ताल्लुक है, इन दोनों सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। इन दोनों सीटों पर न तो पीडीपी ने और न ही नेशनल कान्फ्रेंस ने अपने प्रत्याशी खड़े किए थे। ये दोनों पार्टियां अपने आप को इंडी गठबंधन का हिस्सा ही मानती हैं, इसलिए वे मिल कर इन दो सीटों पर कांग्रेस का ही समर्थन कर रही थीं। लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस जीत के आसपास भी नहीं पहुंच सकी। ऊधमपुर से भाजपा के डा. जतिन्द्र सिंह को 571076 वोट मिले और कांग्रेस के चौधरी लाल सिंह को 446703 वोट मिले। इसी प्रकार जम्मू सीट से भाजपा के जुगल किशोर शर्मा को 687588 और कांग्रेस के रमन भल्ला को 552090 वोट हासिल हुए। जम्मू कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने भी अपनी पार्टी बना कर किस्मत आजमाने की कोशिश की थी। लेकिन आजाद को बुरी तरह शिकस्त का मुंह देखना पड़ा। सबसे चौंकाने वाली जीत तो अनन्तनाग सीट से मियां अलताफ अहमद को मिली। मियां साहिब गुज्जर बकरवाल बिरादरी से ताल्लुक रखते हैं।

उनका मुकाबला सैयद बिरादरी की महबूबा मुफ्ती से था। सैयदों के प्रति आम कश्मीरी का भाव पूजा के समान ही होता है। गुज्जरों की तो बात ही क्या, कश्मीरी भी सैयदों के आगे सिजदा करते हैं। सैयदों की विवाह शादी कश्मीरियों से नहीं होती। किसी सैयदा के आगे एक गुज्जर मुकाबले में आ गया है, यही सबसे हैरानी की नहीं, बल्कि हौसले की बात थी। मियां जी यह हौसला दिखा रहे थे। इससे अनन्तनाग से लेकर राजौरी पुंछ के गुज्जर बकरवालों तक में एक नया जोश देखा जा सकता था। महबूबा मुफ्ती के पास सैयद होने के अतिरिक्त एक दूसरा तगमा भी था। वह राज्य की मुख्यमंत्री भी रह चुकी थी। मियां जी की एक दूसरी कमजोरी थी। वे सम्प्रदाय के हिसाब से शिया थे जबकि उनके मतदाता इस्लाम को मानने वाले थे, जो सुन्नी कहलाते हैं। लेकिन मतदाताओं ने मजहबी भेदभाव की ये दीवारें तोड़ कर सैयदा के मुकाबले एक गुज्जर को और सुन्नी के मुकाबले एक शिया को भारी बहुमत से जिता दिया। जम्मू कश्मीर के दोनों राज परिवार ध्वस्त हो गए। शेख अब्दुल्ला परिवार और मुफ्ती परिवार का कोई भी सदस्य लोकसभा में नहीं होगा। यह घटना राज्य के इतिहास में पहली बार हुई है। क्या इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि विधानसभा के आने वाले चुनावों में इन दोनों परिवारों की पुश्तैनी पार्टियों के भीतर भी नेतृत्व परिवर्तन की राह खुलेगी।

संपादक की कलम से

हर जगह मुठभेड़

सियासत की पहलवानी ने कई तंबू उखाड़ दिए, लेकिन आसमान को फिर भी तसल्ली नहीं। युद्ध के माहौल में हो रही राजनीति का असर यह कि जनता को भरोसा नहीं कि वह चुन किसे रही। सोलन नगर निगम के ढाई साल के बाद मेयर के चुनाव ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार को शिकस्त देकर जो खेल किया, उसके जख्म अब हरे हो गए। नगर निगम के मेयर व पूर्व मेयर की हस्ती अब सरकार की कार्रवाई ने छीन ली, नतीजतन उपचुनाव का खाका कई बड़े सवालों को खाक नहीं कर पाएगा। अस्थिरता के दामन में मतदाता की आशाएं और कसूरवार होते विकास के नैन नक्श। हर मुठभेड़ में लुट रहा है सिंहासन, चलो फिर से कोई नया फार्मूला बनाएं। जाहिर है नगर निगम सोलन की पताका बदलेगी और कुछ इसी तरह की सुगबुगाहट धर्मशाला नगर निगम के मोहल्ले में है। ऐसे में प्रश्न यह कि स्थानीय निकायों में भी अगर अस्थिरता के बीज बोने के लिए राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा ही जिम्मेदार है, तो जनता की अभिलाषा बचेगी कहां। आश्चर्य यह कि जिस जरूरत का नाम नगर निगम है, उसकी जरूरत में राजनीति की जरूरतें पूरी हो रही हैं और यह खेल तब तक जारी रहेगा जब तक मेयर पद के लिए प्रत्यक्ष चुनाव नहीं होते। अप्रत्यक्ष कंधों पर चढ़ रहे मेयर यूं ही चढ़ते और उतरते रहेंगे। सियासत ने जिस घड़ी में कांग्रेस को गच्चा देकर मेयर चुना, कमोबेश वही परिस्थितियां अब नए हालात में नियंत्रण करेंगी। ये नजारे शर्मनाक हैं और धीरे-धीरे हिमाचल को घोर अस्थिरता के जंगल में धकेल रहे हैं।

कब हम सोलन शहर के भविष्य के लिए नगर निगम के पार्षद और पार्षदों के पार्षद यानी मेयर को इस नीयत से चुन पाएंगे कि पूरा नागरिक समाज आगे बढ़ पाए। कहना न होगा कि हिमाचल के पांचों नगर निगम केवल रस्म अदायगी की तरह राजनीति का सामान तो बन गए, मगर हिमाचल के शहरीकरण संबोधित नहीं हुआ। वित्तीय संसाधनों के अभाव में सारे नगर निगम केवल कागजी शेर हैं, जबकि शहर को बसाने की परिकल्पना के लिए मेयर और पार्षदों का निर्वाचन सौ फीसदी तौर पर पारदर्शी व वास्तविक होना चाहिए। हिमाचल में राजनीतिक अस्थिरता के प्रमाण अब तहरीर बनने लगे हैं, चुनावी मोहल्ले के वकील अब सडक़ पर लडऩे लगे हैं। अभी फाइलों के टकराव, घटनाक्रम के उन्माद और हस्तियों के प्रकार दिखने लगे हैं। राज्यसभा चुनाव के अंकगणित से सियासत का बिगड़ा मूड, सत्ता के सबूत से प्रमाणित होगा। उपचुनावों से पहले नाव दरिया में डूबी या चुनावी कसरतों ने शह और मात को अब बुलंद किया। जो भी हो, सोलन में मेयर और डिप्टी मेयर का अयोग्य होना साधारण घटना तो नहीं है और न ही अब क्रॉस वोटिंग के घाव कभी सहज होंगे।

इसलिए अब मुकाबले के परिदृश्य में कभी राज्य की जांच भारी पड़ेगी, तो कभी अदालत के नोटिस पर मानहानि के मामले अशांत दिखेंगे। जो भी हो, लेकिन यह तय है कि जो गुजर गया, वह भी अपने पीछे बारूद छोड़ गया और जो होना है, उसके लिए बारूद खोजा जा रहा है। फिर तीन निर्दलीयों के उपचुनाव सियासत की वीरभूमि खोजेंगे तो सीपीएस मामलों की परछाई में सत्ता के चिराग खुद को बचाएंगे। कांग्रेस से भाजपा में जा मिले नेताओं का शोर एक उपचुनाव में तो पूरी तरह सफल नहीं हुआ, फिर निर्दलीयों की अमानत पर निशाने करीब से लगेंगे। इसी तरह नगर निगम सोलन अब एक अद्भुत प्रसंग में पुनः अपना मेयर देखेगा, तो जब बारात निकलेगी तो खबर यह भी आएगी कि किस अन्य नगर निगम में मेयर के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव मुंहफट हो गया।

राय

जम्मू में आतंकी हमले

कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में अचानक बढ़े आतंकी हमलों को मोदी सरकार के शपथ-ग्रहण से जोडऩा बेमानी है, लेकिन रियासी इलाके में तीर्थयात्रियों पर हमला किया गया, जिसमें 9 लोग मारे गए और कई घायल हुए। उसके बाद कठुआ और डोडा में आतंकी हमले किए गए। बेशक कठुआ वाले आतंकी ढेर कर दिए गए, लेकिन सीआरपीएफ का एक जवान भी 'शहीद' हुआ। डोडा में मंगलवार, 11 जून की रात्रि में असम राइफल्स और स्पेशल पुलिस ऑफिसर की साझा चौकी पर भी हमला किया गया, जिसमें 6 जवान घायल हो गए। जम्मू क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन के मुताबिक, पाकिस्तान जम्मू के माहौल को बिगाड़ कर धार्मिक यात्राओं में बाधा डालना चाहता है। अगले महीनों में जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं, लिहाजा आतंकी घुसपैठ कर रहे हैं। पाकिस्तान की ओर जाने वाला कोई अनधिकृत रास्ता है, जिसका इस्तेमाल आतंकी कर रहे हैं और हमारे सैन्य बल की गिरफ्त से बचे हुए हैं। अब भी 3-4 आतंकी डोडा के पास, एक समूह में, घूम रहे हैं। उन्हें जल्द ही ढेर कर दिया जाएगा। अचानक आतंकी हमले बढऩे के मद्देनजर कुछ सवाल सटीक और गंभीर हैं। क्या पाकपरस्त आतंकवाद कश्मीर घाटी से जम्मू के राजौरी, पुंछ, डोडा आदि क्षेत्रों में शिफ्ट हो गया है? क्या वहां के घने जंगल आतंकियों की पनाहगाह हैं और वहां की पर्याप्त खुफिया सूचनाएं नहीं मिल पा रही हैं? क्या भारत में तीसरी बार मोदी सरकार बनने से पाकिस्तान, खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी गुट बौखलाहट में हैं?
क्या पाकिस्तान को भारत की ओर से किसी मारक, प्रहारक हमले का डर, खौफ है? क्या मोदी सरकार आतंकी अड्डों को नेस्तनाबूद करने के लिए भी कोई सैन्य हमला करवा सकती है? क्या लोकसभा चुनावों में 50 फीसदी से अधिक मतदान इसलिए किया गया, क्योंकि औसत कश्मीरी का लोकतंत्र में विश्वास है? क्या पर्यटन और कारोबार बढऩे से भी पाकपरस्त आतंकवादी नाराज हैं, लिहाजा बदले के तौर पर हमले कर रहे हैं? बहरहाल इन सवालों के जवाब खुद-ब-खुद सामने आते रहेंगे। यह ठोस हकीकत है कि बीते एक साल के दौरान राजौरी-पुंछ क्षेत्र में करीब एक दर्जन मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें 25 से अधिक आतंकी मारे गए, लेकिन सुरक्षा बलों के 20 से ज्यादा जवान भी 'शहीद' हुए हैं। शहादत का यह सिलसिला अभी जारी रहेगा, क्योंकि आतंकी गतिविधियों की जानकारी देने वाला मजबूत खुफिया नेटवर्क अभी तैयार किया जा रहा है। राजौरी-पुंछ में घुसपैठिया आतंकियों को 'स्थानीय मदद' है, जिसे चिह्नित कर लिया गया है। हालांकि जम्मू में कोई 'स्थानीय आतंकवादी' नहीं है। यहां पाकिस्तान से आए आतंकी ही हमले कर रहे हैं। कठुआ का उदाहरण है कि आतंकियों को स्थानीय लोगों ने पीने को पानी तक नहीं दिया और पुलिस को सूचना दे दी। नतीजतन आतंकी पकड़े और ढेर कर दिए गए। दरअसल अब आतंकी हमले उन इलाकों में हुए हैं, जहां कुछ साल पहले तक मान लिया गया था कि आतंकवाद का लगभग सफाया हो चुका है। यहां बीते 15-20 सालों के दौरान कोई बड़ा आतंकी हमला नहीं किया गया था, लेकिन बीते कुछ अंतराल में आतंकवादी दिखने लगे थे। वे ही हमले कर रहे हैं। बेशक 2019 में जम्मू-कश्मीर को लेकर संविधान में सुधार किए गए थे, उनसे स्थिति बेहतर हुई, आतंकवाद से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों पर लगाम लगाई गई, लेकिन समस्याएं आज भी मौजूद हैं। कश्मीर में अलगाववाद और विभाजनकारी सोच आज भी बरकरार है। यह मानसिकता इसलिए खत्म नहीं हो सकी है, क्योंकि अनिवार्य राजनीतिक विकल्प देने में हमारी व्यवस्था नाकाम रही है। बहरहाल जम्मू-कश्मीर में आज वह आतंकवाद नहीं है, जो 12-15 साल पहले होता था। साल में सैकड़ों आतंकवादी घटनाएं होती थीं। आज कश्मीर में तो आतंकवाद नगण्य ही है, पत्थरबाज गायब हैं, अलगाववादी नेताओं के आह्वान अब कोई नहीं मानता।

कब होगा नगद ईनाम बांट समारोह

भूपिंद्र सिंह

आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। आशा करते हैं कि सरकार उन्हें भी सम्मानजनक ईनामी राशि देगी। इस संबंध में जल्द ही फैसला हो जाना चाहिए। जहां तक हिमाचल में खेल उत्कृष्टता की बात है, इस क्षेत्र में काम होना बाकी है

पहले भाजपा की जयराम सरकार ने राज्य के खिलाडियों द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीते गए पदकों की ईनामी राशि को काफी सम्मानजनक स्तर तक तो जरूर बढ़ाया है, मगर पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह का आयोजन नहीं हो पाया है। कांग्रेस सरकार को भी चुने हुए दूसरा वर्ष भी आधा खत्म हो रहा है, मगर यह सरकार भी राज्य के वरिष्ठ व कनिष्ठ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित नहीं कर पाई है। हां, यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री ने नयी खेल नीति बनाने की घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए बजट में ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता की नगद ईनामी राशि को तीन करोड़ रुपए से पांच करोड़ रुपए, रजत पदक की दो करोड़ रुपए को तीन करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के एक करोड़ रुपए को दो करोड़ रुपए तक बढ़ाया है। एशियन व राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के नगद ईनाम में भारी बढ़ोतरी कर एशियाड के स्वर्ण पदक विजेता के पचास लाख रुपए को चार करोड़ रुपए, रजत के बीस लाख रुपए को अढाई करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता के बीस लाख रुपए को डेढ़ करोड़ तथा राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को तीन करोड़, रजत के लिए दो करोड़ रुपए व कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपए तक बढ़ा कर हिमाचल प्रदेश के खिलाडियों को बहुत बड़ी सौगात दी है। जब विक्रमादित्य खेल मंत्री थे तो उन्होंने राज्य के लिए नयी खेल नीति लाने की बात की थी जिससे खिलाडियों को अधिक लाभ होगा।

दशक पूर्व जब हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अंतरराष्ट्रीय खेलों के पदाधिकारियों की ईनामी राशि को लाखों से करोड़ों में किया था तो उसके बाद हरियाणा में खिलाडियों व उनके अभिभावकों ने अपने बच्चों का कैरियर खेलों में तलाशना शुरू कर दिया है। हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में ड्रिल व खेलों के लिए एक पीरियड जो वर्षों पहले पढ़ाई के नाम पर खत्म कर दिया था, अब फिर से शुरू करने का क्रांतिकारी कदम उठा कर सरकार ने स्कूली विद्यार्थियों की फिटनेस को ध्यान में रखने को तो जरूर कहा है, मगर खेलों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए समय सीमित कर दिया है, जो कथनी व करनी में बहुत फर्क दिखा रहा है। प्रतियोगिता व प्रशिक्षण शिविरों के समय खिलाडियों को खाने में बहुत दिक्कत रहती है। सरकार द्वारा खुराक भत्ता बढ़ाना हिमाचल प्रदेश की खेलों व खिलाडियों के लिए अच्छा संकेत है, मगर साथ ही साथ खिलाडियों के प्रशिक्षण व प्रतियोगिताओं के लिए उचित समय देकर खेलों के साथ न्याय करे। हिमाचल की सुक्खू सरकार ने राज्य में खेलों के लिए ऐतिहासिक फैसले लेकर खिलाडियों व खेल प्रेमियों को खुश कर दिया है। आशा करते हैं कि जुलाई के उपचुनावों के बाद जल्दी ही प्रदेश के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल को गौरव दिलाने वाले पदकधारियों के लिए नगद ईनाम बांट समारोह का आयोजन किया जाएगा। खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा। ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है, क्योंकि खिलाड़ी से उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है, मगर कांग्रेस सरकार की इस ईनाम बढ़ोत्तरी में प्रशिक्षक को मिलने वाले नगद ईनाम पर चुप्पी क्यों है।

आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है, क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। आशा करते हैं कि सरकार उन्हें भी सम्मानजनक ईनामी राशि देगी। इस संबंध में जल्द ही फैसला हो जाना चाहिए। जहां तक हिमाचल में खेल उत्कृष्टता की बात है, इस क्षेत्र में अभी बहुत काम होना बाकी है। सरकार को भी काम करना है और निजी प्रयासों की भी और आवश्यकता है। अब तक देखा जाए, तो सरकारों के काम में अन्य राज्यों की तुलना में और प्रयासों की जरूरत है। निजी प्रयासों का ब्योरा इस कॉलम में कई बार दिया जा चुका है। निजी प्रयास काफी हुए हैं, फिर भी और प्रयास किए जाएं तो अच्छा प्रतिफल मिलेगा। लेकिन इसके लिए निजी प्रयास कर रहे खेल प्रशिक्षकों को सरकार को प्रोत्साहित करना चाहिए। तभी खेलों में उत्कृष्टता आएगी।

श्वान प्रेम बनाम इनसानियत

पूरन सरमा

मैं रोज सुबह की सैर पर जाता हूं। वे मुझे रोज मिलते हैं। एक दिन मुझे उन्होंने रोका और बोले- 'हमारे तो कल मुनिया की मौत हो गई।' यह कहते हुए वे लगभग रूआंसे हो गए। मैंने भी अपना चेहरा विषाद से भिगो दिया। वे पुनः बोले- 'हॉस्पिटल में भी कोई व्यवस्था नहीं है। एमरजैंसी में कोई था ही नहीं। पता नहीं ईश्वर को क्या मंजूर था, इलाज करवाया, लेकिन मुनिया को बचाया नहीं जा सका। कल से घर में मुर्दनी छायी है। कल तो किसी ने खाना भी नहीं खाया। आप हॉस्पीटल की अव्यवस्था के बारे में लिखिए। वहां तो बहुत मनमानी हो रही है।' 'मैं जरूर लिखूंगा। वैरी सॉरी सर, लेकिन यह सब हुआ कैसे?' मैंने कहा। वे बोले- 'अभी तीन दिन पहले उसके 'डिलेवरी' हुई थी। डिलेवरी बिगड़ गयी। हम लोग फोरन उसे हॉस्पीटल लेकर आए तो एमरजैंसी खाली पड़ी थी, सब लोग 'डॉग शो' में गए हुए थे।' मैंने राहत की सांस ली 'मुनिया' कोई मनुष्य नहीं उनकी कुतिया का नाम था। मैं परेशान था कि पता नहीं घर में कोई जन हानि हो गई है। लेकिन डॉग शो से बात स्पष्ट हुई। इसके कई माह बाद वे फिर बाग में मिले। बोले- 'आपने पिंटू को देखा था?' मैं बोला- 'पिंटू, क्यों क्या हुआ पिंटू को?' 'वह कल से मिल नहीं रहा है। कोतवाली में सूचना दे दी है, मुझे लगता है कोई उसे बहलाकर ले गया है। अभी बच्चा ही तो था। आप ध्यान रखिए, जाते-आते कहीं दिख जाए तो मुझे बतलाना।' 'लेकिन मैंने तो पहले कभी पिंटू को देखा भी नहीं? कैसे पहचान पाउंगा?' 'अभी दो माह का ही तो है। भूरे रंग पर बीच में लाल चकते वाले निशान हैं।

आपने एक बार मेरी गोद में देखा भी होगा?' मैं असलियत समझ गया कि पिंटू पिल्ला है और वे उसे लिए घूमते रहते थे। मैंने राहत की सांस लेकर कहा- 'मैं जरूर देखूंगा उसे। हो सकता है जिसने चुराया हो वह कभी उसे लेकर बाग में ही आ जाए।' 'इसीलिए तो मैं सबसे कह रहा हूं कि वे उसका ध्यान रखें। सच व्यर्थ में बहुत नुकसान हो गया। बहुत प्यारा भी था वह। मुझे छोड़ता ही नहीं था।' मैंने अगंभीर होकर कहा- 'आप ध्यान रखा करें। इस तरह तो बहुत नुकसान हो जाएगा आपको।' यह कहकर मैं पलट कर घर लौट गया। इस घटना के कई माह बाद वे फिर सडक़ पर मिल गए। दोनों हाथों में दो पिल्ले गोद में चिपकाए तथा तीन पीछे लिए जा रहे थे। उन्होंने ही आवाज दी- 'आइये जरा।' मुझे जाना पड़ा। मुझे पता था उनका श्वान प्रेम मुझे बुला रहा है, बोले- 'ये सब फॉरेन नस्ल के हैं। बड़े महंगे हैं, कैसे लग रहे हैं आपको?' मैं बोला- 'बड़े प्यारे हैं, अब जानवर इनसान से भी दो कदम आगे पहुंच गया है शिष्टता में तो।' वे थोड़ा गंभीर होकर बोले- 'बड़ा ध्यान रखना पड़ता है। मुझे तो टाइम ही नहीं है। रिटायरमेंट के बाद से सारा समय इनमें ही बीत जाता है।' 'लेकिन आपका छोटे वाला बच्चा दो वर्ष से बीए में फेल हो रहा है। थोड़ा उस पर भी तो ध्यान दिया करें।' 'हां, उसकी भी चिंता तो है। लेकिन मुझे तो टाइम ही नहीं मिल पाता। क्या करूं।' अनमने से आगे निकल गए। मैं पलट कर घर। बाद में एक बार मुझे वे हॉस्पीटल में मिले। कुत्तों के काटे के इंजेक्शन वाली क्यू में खड़े हुए दो पिल्ले में थे। उनका श्वान प्रेम अद्भुत था। दीन-दुनिया से बेखबर वे कुत्तों में डूब गए थे। गली, मोहल्ले, परिवार, समाज और देश में क्या हो रहा है, वे बेखबर थे। जरा सा गली के बच्चे उनके कुत्तों को छेड़ दें तो वे आग बबूला हो जाते। ऐसे भी वे क्या श्वान प्रेम के शिकार हुए कि इंसानियत को भी भुला बैठे तथा आदमी की दिनचर्या को विस्मृत कर दिया। लेकिन श्वान प्रेम ने उन्हें एकदम इनसानी जज्बातों से अलग कर दिया था।

पूरन सरमा

रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में होने लगी बढ़ोतरी, मई में 9.10 प्रतिशत बढ़ा

परिवहन विशेष न्यूज

इस प्रकार मई में व्यापार घाटा 23.8 अरब डॉलर से अधिक का रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि आने वाले महीनों में भी निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा क्योंकि अधिकतर विकसित देशों में महंगाई कम हुई है और उन देशों से मांग निकल रही है। विश्व व्यापार संगठन ने भी इस साल वैश्विक व्यापार में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है।

नई दिल्ली। एक बार फिर से रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में बढ़ोतरी शुरू हो गई है जो रोजगार सृजन के लिए अच्छी खबर है। रोजगारपरक सेक्टर की मदद से मई माह में वस्तुओं के कुल निर्यात में पिछले साल मई के मुकाबले 9.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं इस अवधि में वस्तुओं के आयात में 7.71 प्रतिशत का इजाफा रहा। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में लगातार दूसरे महीने वस्तु निर्यात में बढ़ोतरी हुई है।

निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी का रुख जारी

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मई में 38.1 अरब डॉलर का निर्यात किया गया जबकि आयात 61.9 अरब डॉलर का रहा। इस प्रकार मई में व्यापार घाटा 23.8 अरब डॉलर से अधिक का रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने बताया कि आने वाले महीनों में भी निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी का रुख जारी रहेगा क्योंकि अधिकतर विकसित देशों में महंगाई कम हुई है और उन देशों से मांग निकल रही है। विश्व व्यापार संगठन ने भी इस साल वैश्विक व्यापार में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है।

इस सेक्टर में निर्यात बढ़ोत्तरी

मई में मुख्य रूप से इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, रेडीमेड गारमेंट्स, हैंडीक्राफ्ट्स, फार्मा, केमिकल्स जैसे रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात में बढ़ोतरी के साथ चाय, काफी, फल-सब्जी के निर्यात में भी इजाफा रहा। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बताया कि अमेरिका, यूरोप, यूके, पश्चिम एशिया जैसे देशों से निर्यात आर्डर की बुकिंग में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है।

मई माह में सेवा निर्यात में 15 प्रतिशत का इजाफा रहा। मई में सेवा निर्यात 30.16 अरब डॉलर तो सेवा आयात सिर्फ 17.28 अरब डॉलर का रहा। सेवा निर्यात में व्यापार घाटे की जगह व्यापार बढ़ोतरी से वस्तु निर्यात में होने वाले व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी।

बढ़ती कीमतों से दाल के आयात में मई में 181 प्रतिशत की बढ़ोतरी। दाल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए इन दिनों दाल का जमकर आयात किया जा रहा है। इस वजह से मई में दाल के आयात में पिछले साल मई के मुकाबले 181.34 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष के पहले दो माह में दाल के आयात में 176.53 प्रतिशत का इजाफा देखा गया।

दूसरी तरफ खाद्य तेल के आयात में भी मई माह में 27.46 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। मई में दाल का आयात 37 करोड़ डॉलर का रहा। दाल आयात में इतनी बढ़ोतरी के बावजूद दाल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है।

मई में प्रमुख वस्तुओं के निर्यात में बढ़ोतरी

इंजीनियरिंग गुड्स 7.39 प्रतिशत
इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स - 22.97 प्रतिशत
ड्रग्स व फार्मा - 10.45 प्रतिशत
केमिकल्स - 3.21 प्रतिशत
रेडीमेड गारमेंट्स - 9.84 प्रतिशत
हैंडीक्राफ्ट्स - 20.63 प्रतिशत
चाय - 22.47 प्रतिशत

स्त्रोत: वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 4.4 प्रतिशत बढ़कर 1.37 करोड़ हुई, अकासा एयर सबसे ऊपर

आंकड़ों पर गौर करें तो समय पर प्रदर्शन के मामले में अकासा एयर 85.9 प्रतिशत के साथ सूची में सबसे ऊपर है इसके बाद विस्तारा (81.9 प्रतिशत) इंडिगो (72.8 प्रतिशत) एयर इंडिया (68.4 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (60.7 प्रतिशत) हैं। पिछले महीने इडिगो की बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 61.6 प्रतिशत रही जबकि एयर इंडिया की हिस्सेदारी अप्रैल में 14.2 प्रतिशत से घटकर मई में 13.7 प्रतिशत रह गई।

मुंबई। मई में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 4.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.37 करोड़ हो गई है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा जनवरी-मई 2024 के दौरान घरेलू विमानन कंपनियों द्वारा ले जाए गए यात्रियों की संख्या 661.42 लाख थी, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह संख्या 636.07 लाख थी।

अकासा एयरलाइन सबसे ऊपर

आंकड़ों पर गौर करें तो समय पर प्रदर्शन के मामले में अकासा एयर 85.9 प्रतिशत के साथ सूची में सबसे ऊपर है, इसके बाद विस्तारा (81.9 प्रतिशत), एआइएक्स कनेक्ट (74.9 प्रतिशत), इंडिगो (72.8 प्रतिशत), एयर इंडिया (68.4 प्रतिशत) और स्पाइसजेट (60.7 प्रतिशत) हैं। पिछले महीने इडिगो की बाजार हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 61.6 प्रतिशत रही जबकि एयर इंडिया की हिस्सेदारी अप्रैल में 14.2 प्रतिशत से घटकर मई में 13.7 प्रतिशत रह गई।

विस्तार की हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत

डीजीसीए ने कहा कि विस्तारा की बाजार हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत रही, लेकिन एआइएक्स कनेक्ट की हिस्सेदारी 5.4 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत रह गई। एयर इंडिया, विस्तारा और एआइएक्स कनेक्ट टाटा समूह का हिस्सा हैं।

इस बीच अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी अप्रैल में 4.4 प्रतिशत से बढ़कर मई में 4.8 प्रतिशत हो गई। इसी समय स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी पिछले महीने के 4.7 प्रतिशत से घटकर चार प्रतिशत रह गई।

विदेश जाना हुआ आसान, इस इंटरनेशनल रूट पर एयर इंडिया ने शुरू की नॉन-स्टॉप फ्लाइट

एयर इंडिया ने अगस्त से बेंगलुरु और लंदन गैटविक (Gatwick) के बीच नॉन-स्टॉप सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन से इससे संबंधित प्रेस रिलीज जारी की थी। एयर इंडिया ने घोषणा की है कि वह इस साल 18 अगस्त से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और लंदन गैटविक (एलजीडब्ल्यू) के बीच नॉन-स्टॉप सेवाएं शुरू करेगी।

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने अगस्त से बेंगलुरु और लंदन गैटविक (Gatwick) के बीच नॉन-स्टॉप सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन से इससे संबंधित प्रेस रिलीज जारी की थी। बेंगलुरु ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े हवाई अड्डे से जुड़ने वाला पांचवां भारतीय शहर बनने के साथ, एयर इंडिया ने घोषणा की है कि वह इस साल 18 अगस्त से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और लंदन गैटविक (एलजीडब्ल्यू) के बीच नॉन-स्टॉप सेवाएं शुरू करेगी। यह सेवा यूके में एयर इंडिया की उपस्थिति को और मजबूत करेगी। इससे भारत और यूके के बीच मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे।

एयर इंडिया ने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कहा कि एयर इंडिया बेंगलुरु और लंदन गैटविक के बीच साप्ताहिक 5 गुना संचालन करेगी। इस प्रकार लंदन गैटविक से इसकी उड़ानों की कुल संख्या 17 गुना हो जाएगी। इस मार्ग पर एयर इंडिया बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान का उपयोग करेगी। इसमें बिजनेस क्लास में 18 फ्लैट बेड और इकोनॉमी में 238 विशाल सीटें होंगी।

प्रेस रिलीज के अनुसार, एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा हम अपने मेहमानों को बेंगलुरु और लंदन गैटविक के बीच सुविधाजनक, नॉन-स्टॉप उड़ानें प्रदान करके खुश हैं। यह नया मार्ग इन दो महत्वपूर्ण व्यावसायिक और अवकाश स्थलों के बीच यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करता है, और हमारे वैश्विक नेटवर्क के विस्तार के लिए हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

जुलाई में घट सकते हैं अरहर, चना और उड़द दालों के दाम, अच्छे मानसून और आयात बढ़ने का मिलेगा लाभ

निधि खरे ने कहा कि हमें अच्छे मानसून औसत से अधिक बारिश की उम्मीद है। उनका कहना है कि दालों के रकबे में उल्लेखनीय सुधार होगा। बाजार में ऊंची कीमतों को देखते हुए किसान फसलों के रकबे में और बढ़ोतरी करेंगे। सरकार किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रयास कर रही है। खरे ने कहा कि मानसून की बारिश का खुदरा कीमतों पर अच्छा असर होगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने शुक्रवार को कहा कि अच्छे मानसून की उम्मीद और आयात में वृद्धि से अगले महीने से तुअर, चना और उड़द दालों की कीमतों में नरमी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगले महीने से इन तीनों दालों का आयात भी बढ़ेगा। इससे घरेलू आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी।

स्थिर हैं दालों की कीमतें

खरे ने संवाददाताओं से कहा, ₹तुअर, चना और उड़द दालों की कीमतें पिछले छह महीनों से स्थिर हैं, लेकिन उच्च स्तर पर हैं। मूंग और मसूर दालों की कीमत की स्थिति आरामदायक है।₹ 13 जून को चना दाल का औसत खुदरा मूल्य 87.74 रुपये प्रति किलोग्राम, तुअर (अरहर) 160.75 रुपये प्रति किलोग्राम, उड़द 126.67 रुपये प्रति किलोग्राम, मूंग 118.9 रुपये प्रति किलोग्राम और मसूर 94.34 रुपये प्रति किलोग्राम था।

उपभोक्ता मामले विभाग 550 प्रमुख उपभोक्ता केंद्रों से खुदरा कीमतें एकत्र करता है। खरे ने कहा कि जुलाई से तुअर, उड़द और चना की कीमतों में नरमी आने की संभावना है। मौसम विभाग ने सामान्य मानसून बारिश का पूर्वानुमान लगाया है।

दालों के रकबे में होगा सुधार

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छे मानसून, औसत से अधिक बारिश की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि दालों के रकबे में उल्लेखनीय सुधार होगा। बाजार में ऊंची कीमतों को देखते हुए किसान फसलों के रकबे में और बढ़ोतरी करेंगे। बाजार की धारणा में भी सुधार होगा।

सरकार किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने के लिए प्रयास कर रही है। खरे ने जोर देकर कहा कि सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और खुदरा कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत चना दाल को 60 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचने की सरकार की योजना आम आदमी को राहत प्रदान कर रही है।

म्यांमार और अफ्रीकी देश में प्रमुख निर्यातक

उन्होंने जोर देकर कहा, ₹हम घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।₹ भारत ने पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 8 लाख टन तुअर और 6 लाख टन उड़द का आयात किया। म्यांमार और अफ्रीकी देश भारत के प्रमुख निर्यातक हैं।

सचिव ने कहा कि उनका विभाग आयात को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ-साथ घरेलू खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और बड़ी खुदरा श्रृंखलाओं के साथ लगातार संपर्क में है ताकि जमाखोरी न हो। 2023-24 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में अरहर का उत्पादन 33.85 लाख टन रहा, जबकि खपत 44-45 लाख टन रहने का अनुमान है।

चना का उत्पादन 115.76 लाख टन रहा, जबकि मांग 119 लाख टन है। उड़द के मामले में उत्पादन 23 लाख टन रहा, जबकि खपत 33 लाख टन रहने का अनुमान है। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर को आयात के जरिए पूरा किया जाता है।

सब्जियों को लेकर क्या कहा?

सब्जियों के मामले में भी, खरे ने कहा कि मानसून की बारिश का खुदरा कीमतों पर अच्छा असर होगा। उन्होंने कहा कि आलू की मांग बढ़ गई है, क्योंकि गर्मी ने हरी सब्जियों की फसल को प्रभावित किया है। सरकार ने बफर स्टॉक के लिए प्याज की खरीद शुरू कर दी है और 35,000 टन पहले ही खरीद लिया गया है।

कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की तैयारी, मगर आसान नहीं होने वाली राह

कोयला ब्लाकों के आवंटन के लिए 10वां दौर की नीलामी प्रक्रिया अगले हफ्ते शुरू की जाएगी। इस दौर में कुल 62 कोयला ब्लाकों का आवटन निजी क्षेत्रों को किये जाने की संभावना है। अभी तक नौ दौर में 107 कोयला ब्लाकों का आवंटन हो चुका है। नए कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने देश को कोयला उत्पादन में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने की बात कही है।

नई दिल्ली। देश के नए कोयला व खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को घरेलू कोयला उत्पादन को लेकर पहली समीक्षा बैठक की और देश को कोयला उत्पादन में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव कदम उठाने की बात कही है। पीएम नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार ने वर्ष 2025-26 तक घरेलू कोयला उत्पादन बढ़ा कर कोयले के आयात को बंद करने का लक्ष्य रखा है।

कोयला उत्पादन 110 करोड़ टन करने लक्ष्य

वैसे अभी तक कोयला उत्पादन का सालाना लक्ष्य शायद ही कभी पूरा किया गया है लेकिन वर्ष 2023-24 में लक्ष्य 100 करोड़ कोयला उत्पादन का था जबकि असलियत में 99.7 करोड़ टन उत्पादन हुआ है जो काफी करीब है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी 11 फीसद वृद्धि के साथ 110 करोड़ टन के करीब होने का लक्ष्य रखा गया है। इस चुनौती को देखते हुए ही कोयला व खान मंत्री रेड्डी ने अपनी पहली बैठक में ही निजी क्षेत्र को कोयला ब्लाक आवंटन करने के काम को तेज करने का निर्देश दिया है।

कोयला मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि कोयला ब्लाकों के आवंटन के लिए 10वां दौर की नीलामी प्रक्रिया अगले हफ्ते शुरू की जाएगी। इस दौर में कुल 62 कोयला ब्लाकों का आवटन निजी क्षेत्रों को किये जाने की संभावना है। अभी तक नौ दौर में 107 कोयला ब्लाकों का आवंटन हो चुका है। इनसे 25.6 करोड़ टन कोयला का उत्पादन सालाना संभव है।

कोयला उत्पादन की रफ्तार काफी सुस्त

समस्या यह है कि आवंटित ब्लाकों से कोयला उत्पादन की रफ्तार काफी सुस्त है। आवंटित किये गये ब्लाकों में से सिर्फ 11 में ही कमर्शियल उत्पादन शुरू हो पाया है और इनसे पिछले वित्त वर्ष सिर्फ 1.75 करोड़ टन कोयला निकाला गया है। निजी क्षेत्र से कोयला उत्पादन में तेज वृद्धि किये बगैर कोयला का आयात खत्म नहीं हो सकता। चालू साल में जिस तरह से गर्मी बढ़ी है उसे देखते हुए ताप बिजली संयंत्रों की अहमियत और बढ़ गई है।

रिन्यूएबल सेक्टर में स्थापित क्षमता 1.75 लाख मेगावाट (कुल स्थापित बिजली क्षमता का 42 फीसद) हो चुका है लेकिन कुल बिजली उत्पादन में ताप बिजली संयंत्रों की हिस्सेदारी 70 फीसद से भी ज्यादा है। अप्रैल-मई, 2024 में बिजली की मांग 13 फीसद ज्यादा बढ़ी है। बिजली आपूर्ति निर्बाध रखने के लिए केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने आयातित कोयले के मिश्रण को अनिवार्य बना दिया है।

RBI ने इस सरकारी बैंक पर लगाया करोड़ों का जुर्माना, कस्टमर प्रोटेक्शन से जुड़े नियमों का किया था उल्लंघन

रिजर्व बैंक ने पब्लिक सेक्टर के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर भारी जुर्माना लगाया है। बैंक ने लोन और कस्टमर प्रोटेक्शन से संबंधित कुछ नियमों को नजरअंदाज किया। बैंकिंग रेगुलेटर ने उसे नोटिस जारी किया था। लेकिन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने स्पष्टीकरण भी दिया लेकिन आरबीआई उसके जवाबों से संतुष्ट नहीं हुआ। आरबीआई ने सोनाली बैंक पीएलसी पर भी 96.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार 'लोन' और 'कस्टमर प्रोटेक्शन' से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 1.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च, 2022 तक वित्तीय मामलों को लेकर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की जांच की थी।

जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ आरबीआई

बैंकिंग रेगुलेटर ने कहा कि उसने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया एक नोटिस जारी किया था। इसमें आरबीआई ने बैंक से पूछा था कि वह बताए कि निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। बैंक ने जो कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया, उससे आरबीआई संतुष्ट नहीं हुआ।

बैंक ने एक कॉर्पोरेशन को उस रकम के बदले वर्किंग कैपिटल डिमांड लोन मंजूर कर दिया, जो उसे सरकार से सब्सिडी के तौर पर मिली थी। यह अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन के कुछ मामलों में शामिल राशि को निर्धारित समय के भीतर ग्राहक के खाते में क्रेडिट (शैडो रिवर्सल) करने में भी विफल रहा।

सोनाली बैंक पीएलसी पर भी जुर्माना

आरबीआई ने एक अन्य प्रेस रिलीज में बताया कि केवाईसी गाइडलाइंस, 2016 सहित कुछ मानदंडों का अनुपालन न करने के लिए सोनाली बैंक पीएलसी पर 96.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने कहा कि दोनों ही मामलों में जुर्माना नियमों का पालन में कोताही बरतने के लिए लगाया गया है। इसका बैंक के ग्राहकों के किसी भी लेनदेन पर कोई असर नहीं होगा।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के दाम भी गिरे; यहां जानिए लेटेस्ट प्राइस

नई दिल्ली। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, वैश्विक रुझानों के अनुरूप शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 70 रुपये गिरकर 72,080 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। वहीं, चांदी की कीमत भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 90,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

गोल्ड-सिल्वर के ताजा दाम : पिछले सत्र में गोल्ड की कीमत 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, चांदी भी गुरुवार को 90,950 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा- दिल्ली के बाजारों में, हाजिर सोने (24 कैरेट) की कीमत 72,080 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले बंद भाव से 70 रुपये कम है।

अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक, यात्री ट्रेनों को समय पर चलाने का दिया निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेलवे के सभी अधिकारियों को आगाह किया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं ट्रेनों का परिचालन समय पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्री सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधारने का निर्देश दिया। रेलमंत्री ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेलवे जोन के सभी डीआरएम एवं जीएम के साथ ट्रेनों में सुरक्षा एवं परिचालन में समय के अनुपालन पर उच्चस्तरीय बैठक की।

नईदिल्ली। ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों को होने वाली परेशानियों से निजात मिल सकती है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेलवे के सभी अधिकारियों को आगाह किया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं ट्रेनों का परिचालन समय पर करना सुनिश्चित करें। उन्होंने ट्रेनों एवं स्टेशनों पर यात्री सेवाओं की गुणवत्ता भी सुधारने का निर्देश दिया।

रेलमंत्री ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेलवे जोन के सभी डीआरएम एवं जीएम के साथ ट्रेनों में सुरक्षा एवं परिचालन में समय के अनुपालन पर उच्चस्तरीय बैठक की। रेलमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कुछ हिस्सों में देखा जाता है कि ट्रेनें समय से चलती हैं और कुछ हिस्सों में काफी देर से खुलती एवं गंतव्य तक पहुंचती है।

लेट हो रही ट्रेनों का विश्लेषण करें

मंत्री ने कहा कि विलंब से चल रही ट्रेनों के कारणों का विस्तृत विश्लेषण करें और अगली मीटिंग में समाधान के साथ आएं। किसी भी हाल में अनुचित ट्रेन अवरोध स्वीकार्य नहीं होंगे। इसकी निगरानी सख्ती से की जानी चाहिए और विलंब से चल रही ट्रेनों में सुधार किया जाना चाहिए।

रेलमंत्री ने गर्मी में स्टेशनों पर भीड़ को देखते हुए उन्होंने एसी, कूलर एवं पंखे जैसे उपकरण तत्काल लगाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को आगाह किया कि यात्री सुरक्षा एवं ट्रेनों के समय पर परिचालन के मुद्दे पर समझौता नहीं किया जा सकता है।

अगले हफ्ते भारत आ रही हैं प्रधानमंत्री शेख हसीना, पीएम मोदी के साथ इन समझौतों पर लगा सकती हैं मुहर

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूती देने के लिए अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना 21 जून को अपनी यात्रा शुरू करने वाली हैं और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करने वाली हैं। वार्ता के दौरान कई समझौतों पर मुहर लगने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दोनों पक्षों के संबंधों को और मजबूती देने के लिए अगले सप्ताह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि हसीना 21 जून को अपनी यात्रा शुरू करने वाली हैं और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक बातचीत करने वाली हैं। वार्ता के दौरान कई समझौतों पर मुहर लगने की उम्मीद है। एक सूत्र ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर केंद्रित होगी। भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में प्रगति पर हैं।

बांग्लादेश भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत महत्वपूर्ण भागीदार : बांग्लादेश भारत की पड़ोसी प्रथम नीति के तहत एक महत्वपूर्ण भागीदार है और यह सहयोग सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा और समुद्री मामलों सहित अन्य क्षेत्रों तक फैला हुआ है। कनेक्टिविटी क्षेत्र में उपलब्धियों में त्रिपुरा में फेनी नदी पर मैत्री सेतु पुल का उद्घाटन और चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक का शुभारंभ शामिल है।

महेश नवमी पर महेशमय होगा भीलवाड़ा, शोभायात्रा 15 को, बाहर से मंगाए बड़े ड्रोन से शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा होगी, बड़े मंदिर से केसरिया साफा पहन पुरुष महिलाएं 100 बुलेट मोटरसाइकिल पर निकालेगे बुलेट रैली

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वाधान महेश नवमी के अवसर पर विशाल शोभायात्रा धूम धड़ाके से निकाली जाएगी

नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष केदार गगरानी मंत्री संजय जागेटीया ने बताया कि शोभायात्रा साय 4:15 बजे राजेंद्र स्कूल से प्रारंभ होगी एवं मुरली विलास रोड रेलवे स्टेशन गोलप्याऊ चौराहा बालाजी मार्केट सुभाष मार्केट होते हुए राजेंद्र मार्ग स्कूल पहुंचेगी शोभा यात्रा से पूर्व बड़े मंदिर की बगीची से होते हुए मुख्य मार्ग से बुलेट मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी जिसमें पुरुष व महिलाएं केसरिया साफा पहन कर ढोल नगाड़े के साथ बुलेट रैली में शामिल होगी

महेश नवमी महोत्सव संयोजक राधेश्याम सोमानी व नगर उपाध्यक्ष महावीर समदानी ने बताया कि शोभा यात्रा में अजमेर से मगाये बड़े ड्रोन से पहली बार हर चौराहे पर गुलाब कि पत्तियों से शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की जाएगी इसके लिए गुलाब कि पत्तियों अजमेर से मंगवाई गई है

महेश नवमी के अवसर पर विशाल शोभायात्रा एवं रामेश्वरम भवन में महासंगम प्रसादी के लिए समाज जनों ने आज मुख्य बाजारों में समाज के प्रतिष्ठानों पर मिलकर 15 जून शनिवार महेश नवमी के अवसर पर दोपहर 4 बजे बाद प्रतिष्ठान बंद कर शोभायात्रा में भाग लेने की अपील की है

यातायात परिवहन प्रभारी कैलाश चंद्र मुंन्दडा कैलाश चंद्र हेड़ा ने बताया कि शोभा यात्रा के बाद श्रीनगर सभा द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर 8 बसें लगाई जाएगी जिसमें पूर, सांगानेर, राजेंद्र मार्ग स्कूल, सुभाष नगर, आरकेआरसी कॉलोनी, विजय सिंह पथिक नगर, आजाद नगर से रामेश्वरम हरनी महादेव महाप्रसादी में ले जाने के लिए समाज जनों के लिए आठ बसो की निशुल्क सुविधा रहेगी

चौराया सजावट समिति मुख्य प्रभारी सुमित जागेटिया ने बताया कि शहर में 11 बड़े चौराहे सजाए जाएंगे जिसमें लाइट, रंगीन चुनिया, जय महेश के मल्टी कलर नारे के बोर्ड लगाये जायेगे

शोभा यात्रा प्रभारी उदयलाल समदानी ने बताया कि शोभा यात्रा राजेंद्र मार्ग स्कूल से प्रारंभ होगी जो मुख्य बाजारों से होते हुए पुनः राजेंद्र मार्ग स्कूल समाप्त होगी शोभायात्रा में पुरुष सफेद पोशाक में महिलाएं पीली साड़ी धारण करेंगे शोभा यात्रा के अंदर चार बेन्ड, 8-घोड़े, हाथी शहनाई वादक, माइक टेंपो, 4-ढोल नगाड़े भगवान महेश की झांकियां व पानी के बचत करने की वाटर हार्वेस्टिंग की झांकी पार्षद केदार जागेटीया की ओर से विशेष रहेगी

स्वागत द्वार प्रभारी दिनेश राठी ने बताया की शोभायात्रा के स्वागत द्वार समिति द्वारा 101 स्वागत द्वार लगाए जाएंगे जो आज रात से ही लगना शुरू हो जाएंगे। 15 जून शनिवार को महा अभिषेक नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा एवं मुख्य प्रभारी अर्चित मुंन्दडा व अंकित लखोटिया ने बताया कि भीलवाड़ा शहर में 16 स्थान पर भगवान शंकर का विभिन्न मंदिरों में महा अभिषेक किया जाएगा जिसमें मुख्य आयोजन गोपाल द्वारा

मंदिर प्रात 5:30 होगा।

सहसंयोजक सुरेश बिरला के जी राठी ने बताया कि श्री माहेश्वरी समाज श्री बड़ा मंदिर ट्रस्ट के बडा मंदिर में शांतिलाल, सत्यनारायण, संजय व रीना डाड परिवार की ओर से चारभुजा नाथ के छप्पन भोग का आयोजन रहेगा प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 तक 56 भोग दर्शन एवं भजन सरिता का आयोजन होगा

रामेश्वरम भवन हरनी महादेव रोड पर माहेश्वरी समाज का महासंगम होगा जिसमें 17 से 18 हजार स्वजनों का भगवान महेश का महा प्रसादी होगी

भोजन निर्माण समिति के कृष्ण गोपाल जागेटिया एवं कैलाश चंद्र जेथलिया ने बताया कि माहेश्वरी समाज के महेश नवमी के अवसर पर रामेश्वरम भवन में समाज जनों का महासंगम होगा जिसमें 17 से 18 हजार जनों कि महाप्रसादी बनाई जा रही है जिसमें ब्यावर से आए 80 हलवाई की टीम द्वारा महा प्रसादी तैयार करवाई जा रही है जिसमें लगभग 1000 कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में लगे हैं हलवाइयों के 45 भट्टीयां एवं महाप्रसादी में पीने के लिए एवं प्रसादी निर्माण में 2500 ठंडे पानी के केन की व्यवस्था की जाएगी

महा प्रसादी परिवहन प्रभारी मनोहर लाल अजमेरा अरविंद राठी ने बताया महाप्रसादी वितरण एवं ग्रहण करने के लिए 22 काउंटर लगाए जाएंगे जिसमें महिला पुरुष के विभिन्न क्षेत्रीय सभाओं को जिम्मेदारियां दी गई है प्रत्येक काउंटर पर 20 से 25 क्षेत्रीय सभाओं के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे इसमें एक काउंटर पर 750 से साढे आठ सौ समाज जन प्रशादी ग्रहण कर सकेंगे।

अखिल भारतीय सीरवी समाज पुष्करराज तिरुपति मे समाज भवन निर्माण नींव का हुआ शुभ मुहूर्त

सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के सानिध्य में हुआ भवन निर्माण के लिए पूजन

तिरुपति : अखिल भारतीय सीरवी समाज पुष्करराज तिरुपति मे सीरवी समाज के भवन निर्माण, निंव का शुभ मुहूर्त धर्मगुरु श्री माधुसिंह जी दीवान साहब के कर कमलों द्वारा व पुजारी हनुमान राम ब्राह्मण बेंगलुरु के मार्गदर्शन में किया गया। धर्मगुरु माधुसिंह दीवान साहब की उपस्थिति में अखिल भारतीय पुष्कर राज ट्रस्ट आई धाम आटो नगर तिरुपति आंध्रप्रदेश में भवन निर्माण के लिए, ठेकेदार को डेढ़ साल में बना कर देने का प्रस्ताव पास हुआ। मनोहर ठेकेदार दिनेश इंजीनियरिंग में ग्राउंड फ्लोर, फर्स्ट फ्लोर में साइड में रूमे, सेकंड फ्लोर में, साइड रुमे बनेगी।इस मौके पर आर बी चोधरी चेन्नई, सीरवी महासभा के कोषाध्यक्ष बिंजाराम परिहारिया सीरवी समाज ट्रिप्लिकेन के अध्यक्ष खेताराम गहलोत सचिव अमरचन्द परिहारिया, टीपलिकन बढेर उपाध्यक्ष कानाराम सिन्दडा, नंगनल्लूर मड़ीपाक्कप के अध्यक्ष नारायणलाल हाम्बड़ साहुकार पेट, गोपीलाल बरफा, पुखराज सोलंकी, तंडियारपेठ से अध्यक्ष दुर्गाराम, मोहनलाल काग कानाराम सोलंकी कालुराम काग, पड़पे बढेर अध्यक्ष उमा राम जी परिहार, हर वडेर से संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा धर्मगुरु का स्वागत साफा, एवं माला द्वारा किया गया। महिला मण्डल द्वारा माताजी के गीत गाये। अध्यक्ष गोपाराम आगलेचा, सचिव नवरत्न लाल जी राठोड़, पूर्व अध्यक्ष लाबुराम परिहारिया, पूर्व अध्यक्ष व धर्मचन्द परिहारिया, राजुराम राठोड़, प्रभु राम सेणचा, जोधाराम बरफा, बाबुलाल कालाहस्तरी, शिवलाल रेलवे कोडुर, हापुराम रेलवे कोडुर, दलपत राज परिहारिया, कालुराम गेहलोत, गजराज काग, रमेश बरफा सहसचिव राकेश राठोड़, कोषाअध्यक्ष ओमप्रकाश परिहारिया, सह कोषाध्यक्ष देवाराम लेरचा, गैर मण्डल अध्यक्ष प्रकाश गेहलोत, देवाराम राठोड़, गणपत लाल बरफा, नेमाराम, पुजारी मोहनलाल परिहारिया, समस्त सीरवी समाज के सभी सदस्यों, सीरवी समाज की माताओं, बहनों सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।।यह जानकारी सीरवी समाज तिरुपति पूर्व सुचना एवं व्यवस्थापक अणदाराम सीरवी अटबडा द्वारा दी गई।

विद्युत निगमों में जीपीएफ खाता व पीपीओ नम्बर जारी करने व सीपीएफ, ईपीएफ अंशदान योजना बन्द करने हेतु दिया ज्ञापन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा राजस्थान विधुत श्रमिक महासंघ (सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ) के आह्वान पर भीलवाडा वृत्त के सभी शहरी व ग्रामीण सहायक अभियन्ता के माध्यम से ऊर्जा सचिव, उर्जा विभाग राजस्थान जयपुर के नाम ज्ञापन दिया।

जिला महामंत्री नरेश जोशी ने बताया कि विधुत निगमो में पुरानी पेंशन योजना लागू हुए कई माह बीत चुके है लेकिन दिनांक 1/1/2004 के पश्चात कार्यरत कर्मचारियो की सीपीएफ कटौती लगातार की जा रही है तथा अभी तक भी निगम प्रशासन द्वारा जीपीएफ खाते आंवटित नहीं किये है। एक और निगम प्रशसन द्वारा दोहरी नीति अपनाते हुए 1/1/04 के पश्चात सेवानिवृत हुए कर्मचारियो, मृतक आश्रितो के जीपीएफ खाता व पीपीओ नम्बर जारी करते हुए भुगतान किया जा रहा है। ओपीएस लागू हुये करीब 8 माह होने के उपरान्त भी अभी तक स्पष्ट प्रावधान होने के बाद भी सीपीएफ, ईपीएफ अंशदान योजना बन्द नहीं की है इससे विधुत निगमो के कर्मचारियो में भारी आक्रोश व्याप्त है। यदि समय रहते हुए निगम प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो 19 जून 2024 को विधुत भवन जयपुर का बडा घेराव व प्रदर्शन किया जायेगा। इसी क्रम में आज भीलवाडा वृत्त के सहायक अभियन्ता गंगापुर, रायपुर, कोशिथल, करेडा, आसीन्द, हुरडा, मांडल, बागोर, जहाजपुर, शाहपुरा, बीगोद, मांडलगढ, बिजौलिया भीलवाडा सहित इन सभी उपखण्डो में आज इकाई सचिव के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन देते समय प्रदेश उपाध्यक्ष जुम्मा काठात, जिलाध्यक्ष दलपतसिंह शेखावत, जिला महामंत्री नरेश जोशी, जिला कोषाध्यक्ष मो. इकबाल चूडीगर, भगवतीलाल योगी, जिला महिला प्रभारी अन्नु खटीक, लेखाधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता को अलग से ज्ञापन दिया।

संगम विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को जोड़ने के लिए एक अग्रणी कदम

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज ने भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस), मानव मूल्यों और नैतिकता, प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान के तत्वों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए अध्ययन बोर्ड में शैक्षणिक क्षेत्र में कई निर्णय लिए। प्रो. प्रीति मेहता, डीन स्कूल ऑफ साइंस ने बताया कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप है, जो आधुनिक शिक्षा के साथ पारंपरिक भारतीय ज्ञान के एकीकरण पर जोर देती है। आईकेएस को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की रूपरेखा पूर्व में अकादमी काउंसिल में बना ली गई थी।

कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने बताया कि यूजीसी का आदेश है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में 5% पाठ्यक्रम में आईकेएस शामिल होना चाहिए। इस प्रयास का उद्देश्य पारंपरिक और समकालीन ज्ञान का मिश्रण करना, समग्र शैक्षिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व को बढ़ावा देना है। संगम विश्वविद्यालय ने भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पाठ्यक्रम शामिल करने वाला पहला विश्वविद्यालय बनकर शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी कदम उठाया है।प्रो वीसी प्रो. मानस रंजन पाणिग्रही और रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव मेहता ने बताया कि इन विषयों का समावेश न केवल भारत की समृद्ध विरासत को संरक्षित करता है बल्कि पारंपरिक ज्ञान के लेंस के माध्यम से समकालीन वैज्ञानिक और नैतिक चुनौतियों के बारे में छात्रों की समझ को भी बढ़ाता है। इस बैठक में प्रो. एम.पी. पुनिया (बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी), डॉ. नरोतम शर्मा [वैज्ञानिक, डीएनए लैंस देहरादून], डॉ. देवेन्द्र कुमार [एमएलएसयू उदयपुर] ने बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया और विज्ञान कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को समृद्ध करने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। विज्ञान के बीएससी और एम.एससी पाठ्यक्रम के कार्यक्रम समन्वयकों ने आगामी शैक्षणिक सत्रों के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन के लिए अपने सुझाव प्रस्तावित किए और उन पर चर्चा की। स्कूल आफ इंजीनियरिंग डीन प्रोफेसर आरके सोमानी ने बताया कि एसओईटी बोर्ड ऑफ़ स्टडीस में नए तकनीकी कोर्स, टेक्सटाइल कोर्स आदि पर चर्चा करी तथा सहमति करी।

नबीन पटनायक की शासन की स्थिति देखकर नई सरकार हैरान है

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : ओडिशा की राजनीति बदल गयी है। 24 साल बाद ओडिशा को नया मुख्यमंत्री मिला। मंगलवार को बीजेपी के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के बाद मोहन चरण माझी बुधवार को ओडिशा के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली। वहीं शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री फुल एक्शन मोड में हैं। राज्य पूरे जोरों पर है। नये मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य खुद घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। अब ग्राउंड जीरो पर पूरी तरह से सक्रिय मुख्यमंत्री सरकार का कंधा संभाल रहे हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विभिन्न अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य की शासन व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं। समीक्षा के दौरान शासन की स्थिति देखकर नई सरकार हैरान है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न विभागों को बुलाकर समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में शासन-प्रशासन की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। समीक्षा से पता चला कि सेवानिवृत्ति के बाद भी कई अधिकारियों को विभिन्न विभागों में कार्यमुक्त किया गया है। कौन किस विभाग का जिम्मेदार है इसका जवाब अधिकारी नहीं दे पा रहे हैं। इसके अलावा बाहरी राज्यों को भी प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। ओडिशा में अधिकारियों के शासनकाल के दौरान, शासन कुछ कोटा के तहत किया जाता था। जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी कब्ज़ा कर लिया। इसके साथ ही कोई भी विभाग अपने विभाग की जानकारी सही तरीके से नहीं दे पा रहा है। मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर की है। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न विभागों से आग्रह करते हुए जवाब मांगा कि आखिर राज्य की शासन व्यवस्था इतनी अव्यवस्था की स्थिति में क्यों चल रही है। कोई भी उचित उत्तर नहीं दे सका। आशंका जताई जा रही है कि राज्य में

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023